जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 273 प्रभात बीकानेर, रविवार 28 अप्रेल, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

बाड़मेर में कांग्रेस के उम्मेदाराम बेनीवाल के जीतने की भारी संभावना

यह संभावना पूर्व मु.मंत्री गहलोत को रास नहीं आ रही?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। राजस्थान में मतदान के दूसरे चरण में, जिसमें 13 लोकसभा सीटों के लिए मतदान हुआ, उनमें से बाड़मेर ही ऐसी सीट है जिस पर कांग्रेस को जीत का पूरा विश्वास है। लेकिन, इस संभावित विजय के पीछे और भी बहुत कुछ है। राजस्थान कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी टीम ने बाड़मेर में कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल की हार सुनिश्चित करने के लिए हर तरह के हथकण्डे अपनाए।

सूत्रों का कहना है कि, अपने पुत्र वैभव गहलोत की जीत सुनिश्चित करने के लिए, अशोक गहलोत ने कांग्रेस पार्टी को भारी नुकसान पहुँचाया है, क्योंकि, जोरदार चर्चा यह है कि, वैभव गहलोत बहुत बड़े अंतर से हार रहे हैं। अशोक गहलोत पड़ोसी लोकसभा सीट बाड़मेर के कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल की हार सुनिश्चित करना चाहते हैं, क्योंकि, तब हाई कमान को वैभव की हार को समझाना आसान हो जाएगा, क्योंकि तब वे कह सकेंगे कि केवल जालोर में ही नहीं, पूरे मारवाड़ में कांग्रेस हारी है।

सूत्रों का कहना है कि, कांग्रेस के नेताओं ने, बाड़मेर में अशोक गहलोत की भूमिका से केन्द्रीय नेतृत्व को अवगत करवा दिया है, और दिल्ली में अशोक गहलोत के अनेक शुभचिंतक होने के बावजूद, पार्टी नेतृत्व बहुत गंभीरता से अशोक गहलोत की भूमिका पर नज़र रखे हुए है।

- **ऐसी चर्चा है कि, गहलोत चाहते थे, वैभव तो हार ही रहे हैं जालोर से, अतः अगर पड़ोसी सीट पर बाड़मेर में भी कांग्रेस का उम्मीदवार हार जाये तो हाई कमान को वैभव की हार को समझाना आसान हो जायेगा, क्योंकि केवल जालोर में ही नहीं पूरे मारवाड़ में कांग्रेस हारी है।**
- **चर्चाओं के अनुसार, इस सोच के तहत ही अशोक गहलोत की टीम बाड़मेर में निर्दलीय उम्मीदवार रविन्द्र सिंह भाटी के पक्ष में काम कर रही थी और इसीलिये बालेन्दु सिंह शेखावत व अमीन खान प्रतीकात्मक तौर पर रविन्द्र सिंह भाटी की मदद कर रहे थे।**
- **पर, उम्मेदाराम बेनीवाल को जाटों के, अल्पसंख्यकों के तथा एस.सी. के वोट भारी संख्या में मिले हैं। अतः वे जीत के नज़दीक माने जाते हैं।**
- **हनुमान बेनीवाल, उनके पुराने पार्टी के साथी व सदस्य उम्मेदाराम के पक्ष में प्रचार करने नहीं गये तथा आमसभा में मंच से अपने समर्थकों को कहा, जहां मैं गठबंधन के बावजूद प्रचार करने नहीं जा रहा हूँ, वहां आपको समझ लेना चाहिये कि, मैं उस उम्मीदवार का समर्थन नहीं कर रहा हूँ। उस मंच पर गहलोत भी मौजूद थे।**
- **चर्चा के अनुसार हाई कमान भी गहलोत की इस तथाकथित विवादास्पद भूमिका से काफी वाकिफ है।**

माना जाता है कि, अशोक गहलोत के नज़दीकी कांग्रेस नेताओं ने, सोशल मीडिया पर छाए, बाड़मेर से निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी के लिए प्रचार करने और उनके लिए वोट मांगने के लिए भारी मेहनत मशक्कत की है। कहा जा रहा है कि, अमीन खान, मेवा राम जैन, मदन प्रजापत, बालेन्दू सिंह शेखावत, अशोक गहलोत टीम के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर चुनाव जीतने में भाटी की मदद कर रहे थे।

रोचक बात यह है कि, इन समस्त प्रयासों के बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल, जाटों, अनुसूचित जाति तथा अल्पसंख्यकों के अच्छे खासे वोट लेने में सफल रहे और ये लोग भारी संख्या में उम्मेदाराम के लिए वोट डालने आए। बेनीवाल की जीत की संभावना अच्छी लग रही है। रोचक यह भी है कि, आर.एल.पी. के हनुमान बेनीवाल, जिन्हें नागौर में कांग्रेस ने समर्थन दिया और जिनको समर्थन देने के लिए अशोक गहलोत ने नई दिल्ली में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था, ने एक जनसभा में घोषणा की कि, उनके समर्थकों को यह समझ लेना चाहिए कि, गठबंधन होने के बावजूद भी अगर कहीं वो नहीं जा रहे हैं , इसका मतलब है कि वो उस प्रत्याशी का समर्थन नहीं कर रहे हैं।

गहलोत उस मंच पर उपस्थित थे, जहाँ से हनुमान बेनीवाल ने यह वक्तव्य दिया। बाद में यह स्पष्ट किया गया कि, हनुमान बेनीवाल और उनकी पार्टी भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी को समर्थन दे रहे थे क्योंकि वो कांग्रेस प्रत्याशी से खुश नहीं थे। असल में उम्मेदाराम पूर्व में आर.एल.पी में ही थे। वे हाल ही में कांग्रेस में आए थे।

ऐसे में अशोक गहलोत और हनुमान बेनीवाल के प्रति उनके प्रेम के बारे में क्या ही कहा जाए। अपनी स्वयं की पार्टी के प्रत्याशी को हराने के लिए पार्टी के आदरणीय नेता इस तरह व्यवहार करते हैं। इस कहानी की अगली कड़ी अगले कुछ दिनों में आएगी।

भूखंड का कब्जा नहीं दिया, जे.डी.ए. पर 25 हजार रूपए का जुर्माना

जयपुर, 27 अप्रेल (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने 14 साल में भी अमृत कुंज योजना की लॉटरी में निकले आवासीय भूखंड का कब्जा आवंटी को नहीं देने को गंभीर सेवादोष करार दिया है। आयोग ने

- **जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर प्रथम ने कहा कि, अमृत कुंज योजना में लॉटरी में निकला भूखंड 14 साल में भी आवंटी को नहीं दिया जाना जे.डी.ए. का गंभीर सेवादोष है।**

भूखंड का कब्जा नहीं देने पर जे.डी.ए. पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए कहा कि विपक्षी के सेवादोष के कारण परिवादी अपनी बड़ी जमा राशि के उपयोग से भी वंचित रहा है।

उपभोक्ता आयोग ने जे.डी.ए. को जमा राशि 9,87,800 रुपए 16 जून 2021 से 6 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष सूबेसिंह यादव व सदस्य नीलम शर्मा ने यह आदेश मनफूल बैरवा के परिवाद पर फैसला सुनाते हुए दिया।

परिवाद में कहा गया है कि, जे.डी.ए. ने वर्ष 2010 में कालवाड़ रोड पर आवासीय योजना अमृत कुंज में भूखंड आवंटन के लिए आवेदन मांगे। इसमें परिवादी ने भी आवेदन किया और 8 सितम्बर, 2010 को लॉटरी से उसे 225 वर्गमीटर का भूखंड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजमेर में भाजपा के भागीरथ चौधरी का पलड़ा भारी, शानदार जीत की ओर अग्रसर

गहलोत की ज़िद ने अजमेर सीट भाजपा की झोली में डाली

अजमेर, 24 अप्रेल (कासं)। राजस्थान में दूसरे चरण का मतदान शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। दूसरे चरण में अजमेर लोकसभा क्षेत्र से 14 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे लेकिन सीधा मुकाबला भाजपा के भागीरथ चौधरी व कांग्रेस के रामचन्द्र चौधरी के बीच था।

अजमेर की नसीराबाद व अजमेर उत्तर ऐसी विधानसभा सीटें हैं जहां कई गांव गुर्जर बाहुल्य हैं और सचिन पायलट की वजह से वो लोग कांग्रेस को वोट करते हैं। लेकिन वर्तमान लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पांच बार चुनाव हारने वाले, अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी को उम्मीदवार बनाया। इसे अशोक गहलोत की हठधर्मिता ही कही जाएगी कि, अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को अजमेर में प्रचार के लिए आने नहीं दिया। सचिन पायलट के नहीं आने के कारण कांग्रेस अपने जीत के दावे से दूर होती हुई नज़र आ रही है। वैसे अजमेर के गुर्जर मतदाता परम्परागत रूप से भाजपा के पक्ष में रहते हैं लेकिन सचिन पायलट के कारण गुर्जर वोटरों ने 2018 के विधानसभा चुनाव में एक तरफा कांग्रेस को मतदान किया था। इसके बाद जब कांग्रेस संगठन द्वारा सचिन पायलट की अनदेखी की जाने लगी तो गुर्जर कांग्रेस से दूर होते हुए नज़र आने लगे हैं।

दूसरी ओर भाजपा द्वारा जिले के गुर्जर नेता ओमप्रकाश भडाणा को देवनारायण बोर्ड का अध्यक्ष बनाने के बाद भडाणा ने गुर्जरों को भाजपा के समर्थन में लाकर खड़ा करने में खासी सफलता हासिल की है। कांग्रेस ने भाजपा के राजपूत और रावत वोट बैंक में सेंधमारी के जतन भी किए, लेकिन पुष्कर विधायक सुरेश रावत को केबिनेट मंत्री बनाने के कारण रावत वोटर्स का रूख भी भाजपा की और नज़र आ रहा है।

- **गहलोत ने इस गुर्जर बहुल सीट से जानबूझकर अपने करीबी और 5 बार चुनाव हार चुके रामचन्द्र चौधरी को टिकट दिलवाया, पर वे अपनी कोई छाप नहीं छोड़ पाए।**
- **गहलोत ने क्षेत्र से सचिन पायलट को दूर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पायलट की उपेक्षा से क्षेत्र के गुर्जर पहले से ही नाराज हैं, इसलिए उन्होंने भाजपा के प्रति अपना रूझान दर्शाया।**
- **मतदान प्रतिशत कम होना भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा रहा है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में ही कम मतदान हुआ है। शहरी क्षेत्र में मतदान अच्छा हुआ।**

अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस व भाजपा दोनों के प्रत्याशी जाट समुदाय के हैं। साथ ही कांग्रेस का दावा था कि, जाट मतदाता उनके पक्ष में मतदान करेंगे। लेकिन, जाट मतदाता भी हवा का रूख भांपते हुए भाजपा की ओर नज़र आ रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में पुष्कर विधानसभा क्षेत्र के बलवंता से कांग्रेस को बढ़त मिली थी लेकिन पिछले लम्बे समय से वहाँ पेयजल की समस्या के चलते ग्रामीणों ने शुकवार को मतदान का बहिष्कार कर दिया था, पूरे गांव में मात्र 37 वोट ही डाले गए। वहाँ भी कांग्रेस को नुकसान होता हुआ नज़र आ रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में हुए 67 प्रतिशत मतदान के मुकाबले इस बार करीब 8 प्रतिशत मतदान कम हुआ है। कम मतदान प्रतिशत भी कांग्रेस के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ा रहा है। क्योंकि एस.सी. व एस.टी. बाहुल्य दूदू विधानसभा सीट पर पिछली बार के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत मतदान घटा है। एस.सी. व एस.टी. वर्ग को कांग्रेस के पक्ष का माना जाता है। दूदू, वर्तमान भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा का विधानसभा क्षेत्र भी है। गुर्जर बाहुल्य नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र में भी 10 प्रतिशत मतदान घटा है।

ज्ञातव्य है कि, सन् 2018 में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांवरलाल जाट के निधन के बाद रिक्त हुई अजमेर लोकसभा सीट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर ममता बनर्जी चुनाव से पूर्व गिरकर घायल हुई!

इतनी बार ऐसा हादसा हुआ है ममता जी के साथ कि, चर्चा है कि, यह शगुन है। इस बार वे उस हैलीकॉप्टर में ही गिरीं, जिसमें वे यात्रा कर रही थीं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। तृणमूल कांग्रेस आदतन अपराधियों को शरण दे रही है। एक के बाद एक अपराध सामने आ रहे है, जिनके नेता लिप्त है और जनता के पैसे का गबन कर रहे हैं, यही नहीं नियुक्तियों में हुए फ़जीवाड़े को ढकने में लगे हैं।

भ्रष्टाचार और अपराधिक कारनामे ही पर्याप्त नहीं थे, अब तो हथियारों और अस्ले का जखीरा भी एक तृणमूल नेता के घर से मिला है जिसे शेख शाहजहाँ का करीबी माना जाता है।

केन्द्रीय एजेंसियों ने एन.आई.ए. के साथ मिलकर विदेश में बनी पिस्तौलें, बंदूकें व अन्य हथियार संदेशखाली से बरामद किये हैं। राज्य सरकार ने कोर्ट के एक ऑर्डर का भी विरोध किया है जिसमें तृणमूल के कार्यकर्ताओं द्वारा ज़मीन हड़पने, यौन उत्पीड़न व हफ्ता वसूली जैसे आरोपों की जाँच करने का निर्देश दिया गया है।

- **दूसरी ओर संदेशखाली में शेख शाहजहां के सहयोगी के घर से एन.आई.ए. ने हथियारों का जखीरा प्राप्त किया है, जिसमें विदेश में निर्मित पिस्तौल, बंदूकें, आदि शामिल हैं।**
- **ऐसी चर्चा है कि, यह जखीरा एन.आई.ए. की प्रथम ''रेड'' के समय उनके घर में मौजूद था और इसीलिये एन.आई.ए. की टीम पर हमला बोला गया था तथा मार पिटाई की गयी थी, जिससे एन.आई.ए. की टीम शेख शाहजहां के घर तक न पहुंच जाये।**

माना जाता है कि जब सी.बी.आई. और ई.डी. ने पहली बार संदेशखाली में रेड की थी तब हथियारों का यह जखीरा शेख शाहजहाँ के घर में था और इसीलिए उसने जाँच दल पर सुनियोजित तरीके से हमला करवाया ताकि वह हथियारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिख समाज की एक हजार प्रमुख हस्तियों ने भाजपा जॉइन की

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्यों और सिख समुदाय के प्रमुख नेताओं सहित लगभग 1,000 से अधिक प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

- **दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्य भूपेन्द्र सिंह गिन्नी, रमनदीप सिंह थापर, परविंदर सिंह लक्की, मंजीत सिंह औलख, रमनज्योत सिंह, जैस्मीन सिंह नौनी और हरजीत सिंह पप्पा ने भाजपा जॉइन की।**

भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में एक कार्यक्रम में पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी के समक्ष भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ममता, केजरीवाल पर भाजपा का निशाना

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आतंकवादियों एवं अपराधियों को संरक्षण देने तथा आम आदमी पार्टी पर दिल्ली के सरकारी स्कूलों को बरबाद करने एवं बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है।

भाजपा के प्रवक्ता प्रेम शुक्ला और शहजाद पूनावाला ने आज पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ये आरोप लगाये। प्रेम शुक्ल ने पश्चिम बंगाल सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि बनर्जी के राज में संदेशखाली के गुंडे महिलाओं का मंगलसूत्र नोच रहे हैं और शाहजहां शेख जैसे बलात्कारियों को तृणमूल सरकार से संरक्षण प्राप्त है। जो शाहजहां शेख पुलिस की हिरासत में शहंशाह की तरह अदाएं पेश कर रहा था, कल सीबीआई की हिरासत में विलाप कर रहा था। शेख शाहजहां के विलाप का कारण है कि कल संदेशखाली में एनएसजी कमांडो ने सीबीआई के साथ संयुक्त छापेमारी की और बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए। बंगाल पुलिस के हथियार भी शाहजहां शेख के गुर्गों के पास से बरामद हुए हैं। संदेशखली से इतनी अधिक मात्रा में हथियारों का बरामद होना इस बात को स्पष्ट करता है कि बंगाल पुलिस स्वयं आतंकवाद को शरण दे रही थी। एनएसजी को हथियारों का जखीरा बरामद होने के बाद भी बंगाल सरकार सीबीआई की जांच को रोकने के लिए उच्चतम न्यायालय तक जाती है। ममता सरकार द्वारा आतंकवाद को दिए जा रहे संरक्षण को देखकर स्पष्ट है कि किस तरह पश्चिम बंगाल अराजकता के मुहाने पर बैठा है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ममता बनर्जी की ममता आतंकवादियों, बलात्कारियों और भ्रष्टाचारियों के साथ है, लेकिन जैसे ही केन्द्रीय एजेंसियां एनआईए, ईडी या सीबीआई किसी भी आतंकवादी या भ्रष्टाचारी पर कार्रवाई करती है तो ममता बनर्जी की निर्ममता प्रकट होती है। ममता बनर्जी बार-बार यह सवाल उठाती है कि एनआईए रात के समय क्यों कार्रवाई कर रही है, ईडी के अधिकारियों पर हमला करने वालों के समर्थन में ममता बनर्जी खड़ी होती है। सीबीआई के अधिकारियों द्वारा लाखों की नकदी बरामद की जाती है तो ममता दीदी भ्रष्टाचारियों के साथ खड़ी जो जाती हैं, लेकिन एक बार भी सीबीआई का समर्थन नहीं करती हैं। ममता बनर्जी के राज में न तो मां सुरक्षित है, न ही माटी सुरक्षित है और न ही मानुष सुरक्षित है। बंगाल में शाहजहां जैसे बलात्कारी, आतंकवादी और ईडी पर हमला करने वाले गुंडे सुरक्षित हैं।

शुक्ल ने कहा कि एनएसजी के कमांडो द्वारा हथियारों की बरामदी के बाद भी तृणमूल सरकार को सीबीआई जांच को रोकने और न्यायालय में जाने का नैतिक अधिकार है? क्या राजनीतिक निर्देश पर शाहजहां शेख के गुर्गों को पश्चिम बंगाल की पुलिस सुरक्षा दे रही है? जिस बंगाल में सुभाष चंद्र बोस का शौर्य प्रदर्शित होता था, गुरु रवीन्द्र का संगीत लोगों के कानों में गूंजता था और अरविंदो घोष का दर्शन प्रचलित था, आज वह बंगाल बम धमाकों की गूंज सुनाई दे रही है। पश्चिम बंगाल की जनता चरण दर चरण बढ़-चढ़कर मतदान में भाग ले रही है और आगामी 4 जून को अपना जनादेश स्पष्ट कर देगी। इंडी अलायंस के नेता छोटे-छोटे मुद्दों पर भी ट्वीट और टिप्पणी करते हैं, लेकिन संदेशखाली जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ममता की निर्ममता पर राहुल, स्टालिन, उद्धव और अखिलेश चुप क्यों है?

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि उच्च न्यायालय दिल्ली की सरकार को लिखित में अनेक संदेश दे रहा है। जिस प्रकार बंगाल में ना मां, ना माटी और ना मानुष सुरक्षित है, सुरक्षित केवल शाहजहां है ठीक उसी प्रकार दिल्ली में भी ना लाखों बच्चे और ना उनका भविष्य सुरक्षित है यदि सुरक्षित है तो सिर्फ शराब घोटाले में लिप्त सरगना है। रामलीला मैदान में कुछ लोग सियासत बदलने आए थे. परन्तु इसी रामलीला मैदान में बदलते हुए और सियासी रूप से अपना धर्मांतरण करते हुए कुछ लोगों का चेहरा हमने लगातार देखा है। किस प्रकार झाड़ू से दारू तक, स्वराज से शराब तक, अन्ना हजारे से लालू तक और इंडिया अगेन्स्ट करप्शन से जिन्होंने शुरूआत की, वो लोग इंडी अलायंस आफ करप्शन तक पहुंच गए। जो लोग ये नारा लगाया करते थे कि लालू, सोनिया, राहुल और अखिलेश को जेल भेजना है। आज उन्ही लालू, सोनिया, राहुल और अखिलेश के साथ खड़े होकर कहते हैं कि हमें जेल भेज दिया, तब भी हम सरकार जेल से ही चलाएंगे। यह जो सियासी धर्मांतरण हुआ है इस पर केवल भाजपा ही नहीं, बल्कि आज दिल्ली के उच्च न्यायालय भी आज मोहर लगा रहा है।

जालोर-सिरोही लोकसभा सीट से हार रहे हैं वैभव गहलोत

करोड़ों रूपए खर्च करके भी मतदाता को बूथ तक नहीं ला पाए अशोक गहलोत

जालोर, 27 अप्रेल (कासं)। जालोर - सिरोही लोकसभा क्षेत्र पर प्रदेशभर की नजरें गड़ी हुई हैं। इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन इस लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री का जादू चल नहीं पाया है। गत चुनाव की तुलना में इस बार मत प्रतिशत घटा है। लेकिन प्रवासियों ने मत प्रतिशत को बढ़ाने का प्रयास किया है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों की तुलना में लोकसभा चुनाव में जालोर - सिरोही की आठों विधानसभा सीटों में से मात्र एक, जालोर विधानसभा सीट पर ही मत प्रतिशत बढ़ा है। शेष जगह मत प्रतिशत कम रहा है। गहलोत ने प्रचार प्रसार में करोड़ों रुपए खर्च किये, लेकिन वे मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर पहुंचने में विफल रहे। जालोर -सिरोही में साठ प्रतिशत से अधिक मतदान होना भाजपा प्रत्याशी के लिए राहत की खबर है।

- **पूर्व मुख्यमंत्री ने बेटे के लिए प्रचार में करोड़ों रूपए खर्च किए, पर उनके प्रचार में शो ऑफ ''ज्यादा'' रहा, जबकि भाजपा ने बूथ स्तर पर सुव्यवस्थित प्रचार किया और मतदाताओं को घर से निकलकर मतदान केन्द्र तक पहुंचाया।**
- **वैभव के प्रचार में गहलोत को अपने धन बल पर भरोसा इतना ज्यादा था कि, उन्होंने सचिन पायलट के जालोर आने में भी रोड़ा अटकाया, जबकि कहा जा रहा है कि, अगर पायलट आते तो वैभव को कुछ फायदा हो सकता था।**
- **जालोर-सिरोही लोकसभा सीट में 8 विधानसभा क्षेत्र आते हैं, इनमें से मात्र जालोर सीट पर ही वोट प्रतिशत बढ़ा है। बाकी जगहों पर वोटिंग कम रही। जालोर में ज्यादा वोटिंग की भाजपा के लिए फायदे का सौदा है।**

जालोर - सिरोही लोकसभा सीट पर गत चुनाव की तुलना में करीब तीन प्रतिशत कम मतदान हुआ है। 2019 में 65.74 प्रतिशत मतदान हुआ था, उसकी तुलना 2024 में 62.89 प्रतिशत मतदान हुआ। जालोर में दोपहर 1 बजे तक मत प्रतिशत 41.47 प्रतिशत था, उसके बाद पांच घंटों में मत प्रतिशत 62.89 हो गया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जालोर- सिरोही सीट पर करोड़ों रूपये प्रचार में खर्च किये, लेकिन उनके प्रचार में दिखावा ज्यादा रहा। दूसरी तरफ भाजपा ने बूथ लेवल से लेकर जमीनी स्तर पर मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक पहुंचाने का कार्य किया। यह सीट चौधरी बाहुल्य है और शादी का सीज़न होने के कारण बड़ी संख्या में प्रवासी जालोर -सिरोही पहुंचे हैं। इसमें से अधिकतर चौधरी, देवासी, राजपुरोहित जाति के मतदाता हैं। जो भाजपा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आई.सी.आई.सी.आई. बैंक का मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई 27 अप्रैल (वार्ता) निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में 10707.53 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 9122 करोड़ रुपये की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

बैंक ने शेयर बाजार को सूचित किया कि मार्च 2024 को समाप्त इस तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 19093 करोड़ रुपये रही जो मार्च 2023 में समाप्त तिमाही के 17667 करोड़ रुपये की आय की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक है। उसने कहा कि इस तिमाही में उसका सकल एनपीए 2.16 प्रतिशत रहा है जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही में यह 2.81 प्रतिशत रहा था। इसी तरह से शुद्ध एनपीए मार्च 2023 की तिमाही के 0.48 प्रतिशत से घटकर 0.42 प्रतिशत पर आ गया। बैंक के निदेशक मंडल ने मार्च 2024 में समाप्त वित्त वर्ष के लिए 10 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने का प्रस्ताव किया है।

पहले चरण के मतदान के बाद कांग्रेस के घोषणा पत्र को मिला नया स्तर : चिदंबरम

चिदम्बरम ने कहा कि, पहले चरण के चुनाव के बाद अपनी हार सुनिश्चित देखकर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को महत्व देना शुरु किया है

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने पार्टी के घोषणा पत्र की लगातार आलोचना करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आज तंज कसा और कहा कि पहले चरण के मतदान में अपनी हार सुनिश्चित देखते हुए मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को महत्व देना शुरू किया है।

चिदंबरम ने कहा कि, मोदी द्वारा लगातार की जा रही आलोचना से कांग्रेस के घोषणा पत्र को नया स्तर मिला है और इसको लेकर जनता में जो चर्चा शुरू हुई है उससे कांग्रेस की बात लोगों के बीच पहुंची है और इसके लिए वह मोदी का धन्यवाद करते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ट नेता ने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा , गौर करने वाली बात यह है कि गत 05 अप्रैल से 19 अप्रैल के बीच मोदी कांग्रेस के घोषणापत्र को बराबर नजरअंदाज करते रहे लेकिन 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान की बाद वह लगातार कांग्रेस के घोषणा पत्र पर कड़ी प्रतिक्रिया कर रहे हैं।

पूर्व वित्त मंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के बाद अपनी हार सुनिश्चित देखी हुई है उन्होंने जो आलोचना शुरू की है उससे घोषणापत्र को एक नया कद मिला है।

उन्होंने तंज करते हुए कहा मोदी सरकार चली गयी। कुछ दिनों के लिए बीजेपी सरकार थी कल से कल से एनडीए सरकार है। क्या आपने 19 अप्रैल के बाद से हुए नाटकीय बदलाव पर ध्यान दिया है। पहले चरण के मतदान के बाद 19 अप्रैल से घोषणापत्र को एक नया कद मिल गया है। धन्यवाद, प्रधान मंत्री।

उन्होंने आगे कहा जिन राज्यों में 26 अप्रैल को मतदान हुआ, वहां से खबरें कांग्रेस के लिए बेहद उत्साहजनक हैं। केरल में यूडीएफ के 2019 का शानदार प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है। कर्नाटक की 14 सीटों पर कल मतदान हुआ और कांग्रेस 2019 के अपने स्कोर में काफी सुधार करेगी। राजस्थान में कांग्रेस कई सीटें जीतेगी। सभी 25 सीटें भाजपा के पास हैं और अच्छे स्कोर के साथ कांग्रेस वहां वापसी करेंगी।

विचार बिन्दु

जिस तरह घोंसला सोती हुई चिड़िया को आश्रय देता है उसी तरह मौन तुम्हारी वाणी को आश्रय देता है। –रवींद्रनाथ ठाकुर

पुराने वनों का संरक्षण सबसे बड़ा प्राकृतिक जलवायु समाधान है

ऐसे वन जो विकास के उन्नत चरण में हैं या जहाँ विविध प्रजातियों के पुराने, मोटे और बड़े वृक्षों की बहुतायत है उन्हें दुनिया प्राइमरी फॉरेस्ट्स या ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स के नाम से जानती है। ऐसे वनों के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक महत्त्व पर विश्व भर में बड़ी शोध हुई है। ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स की अभी भी कोई एक मानक परिभाषा नहीं है। फिर भी इन वनों में प्रमुख प्रजातियों की लंबी उम्र, प्राकृतिक गड़बड़ी का कम से कम होना, मानव हस्तक्षेप का कम होना, छाया-सहिष्णुता या छाया में भी उग सकने वाली प्रजातियों की बहुलता, विशिष्ट संरचनाओं, जैसे बड़े-बड़े पेड़, खोखलों में घोंसले बनाने वाले पक्षियों की उपस्थिति और बहुतायत, भारी-भरकम पुराने वृक्षों के यत्र तत्र गिरे-पड़े संचित सूखे तने, मिट्टी के ऊपर पत्तियों और सूखी टहनियों की मोटी परत आदि लक्षणों के संदर्भ में पहचाना और परिभाषित किया जाता है। इन क्षेत्रों में मिलने वाले बड़े वृक्षों में मधुमक्खियों के छत्ते भी प्रायः देखे जाते हैं। इसके अलावा बड़े वृक्षों के मुख्य तने में छाल में निवास करने वाले विविध प्रजातियों के कीड़े-मकोड़े पाये जाते हैं। सैप्रोजायलिक कवक, लाइकेन तथा कीड़ों की प्रजातियां बड़ी संख्या में सूखी गिरी पड़ी लकड़ी पर निर्भर होती हैं।

ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट के नीचे की मिट्टी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पोषक तत्वों की प्रायः कोई कमी नहीं पाई जाती। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम के साथ सूक्ष्म पोषक तत्व भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं क्योंकि यदि आग, चराई और कटान नहीं हो रहा है तो बायोजियोकेमिकल चक्र सुचारु रुप से चलते हैं। ऐसा संभव है ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स के आसपास कोई नदी नाला या नम भूमि इत्यादि हो। प्रायः यह भी देखा गया है कि ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स में पौधों और प्राणियों की जो प्रजातियां मिलती हैं वे समीपवर्ती वन क्षेत्रों से कुछ भिन्न हो सकती हैं। इन क्षेत्रों में प्रायः बड़े बीजों वाली प्राणी-विकीर्णित वृक्ष प्रजातियों का बाहुल्य होता है।

उष्णकटिबंधीय वनों में जहां प्रजातियों की विविधता और प्राकृतिक वातावरण पर मानव दबाव दोनों ही अधिक हैं, भूमि-उपयोग परिवर्तन जैव-विविधता को गंभीर खतरे में डालते हैं। कृषि, लकड़ी के लिये कटान, उद्योगों की स्थापना और अन्य उपयोगों के लिये उष्णकटिबंधीय वनों के तेजी से बदलाव उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता को नष्ट कर देते हैं। एक शोध जो 138 अध्ययनों की मेटा-एनालिसिस का उपयोग कर की गयी, के परिणाम उष्णकटिबंधीय जंगलों में मानवीय दखल के कारण विक्षोभ और भूमि रूपांतरण से जैव-विविधता पर पड़ने वाले प्रभाव का वैश्विक मूल्यांकन प्रदान करते हैं (देखें, एल. गिब्सन इत्यादि, नेचर, 478(7369):378-381, 2011)। इस अध्ययन में प्राथमिक वनों जिनमें कोई मानवीय दखल नहीं था और बिगड़े वनों जिनमें मानवीय दखल था, में जैव-विविधता का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। यह पाया गया अवक्रमित या बिगड़े वनों में जैव-विविधता की स्थिति तमाम कारणों से बहुत ख़राब थी। यह वैश्विक शोध निर्विवाद रूप से सिद्ध करती है की वन-विनाश के विविध कारणों का उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता पर अत्यंत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। उपरोक्त एवं अन्य शोध के परिणाम स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि जब उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता को बनाये रखने की बात आती है, तो प्राथमिक वनों का कोई विकल्प नहीं है (देखें, जे. बार्लो इत्यादि, प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल अकैडमी ऑफ़ साइंसेज यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, 104(47):18555-18560, 2007)।

संपूर्ण विश्व के कुल 23 से 26 प्रतिशत वन ही अब प्राइमरी या ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स के रूप में बचे हैं। राजस्थान में कई जिलों में ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स अभी भी बचे हुये हैं, हालांकि ऐसे वन उष्णकटिबंधीय शुष्क क्षेत्रों में विशेष रुप से संकटापन्न हैं। संकट के मुख्य कारण आसपास रहने वाली मानव आबादी के पालतू मवेशियों द्वारा चराई, जलाऊ लकड़ी के लिये कटाई और घर बनाने के लिये इमारती लकड़ी की कटाई इत्यादि हैं। ऊपर से प्राकृतिक और मानव-जनित कारणों से आग भी ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को बड़ी हानि पहुँचती है। कई क्षेत्रों में बड़े वृक्षों की शाखाओं को काट कर साल दर साल चारे के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिये पुराने वनों से अर्जुन (कहुआ, कोहड़ा) के बड़े वृक्षों की शाखाओं को काटकर भैंसों के चारे के रूप में उपयोग होता है। हर साल शाखा कटान के कारण इन वृक्षों में फूल, फल और बीज लगने की प्रक्रिया भी बाधित होती है। बीजों का उत्पादन और विकीर्णन नहीं होने से प्राकृतिक पुनरुत्पादन बाधित होता है। जिन क्षेत्रों में बीजों का उत्पादन होता भी है वहां बीज विकीर्णन करने वाली वन्य-प्राणी प्रजातियां ना होने से अब केवल बड़े वृक्ष ही बचे हैं क्योंकि प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं के बराबर है। जो भी थोड़ा बहुत पौधे उगते हैं वे भी बड़े होने के पहले ही चर लिये जाते हैं। आग का भी प्रकोप होता है, हालांकि उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में पिछले 30 वर्षों वनों में प्रायः सतही आग ही लगी है। इससे बड़े वृक्षों को भले ही हानि ना होती हो, किंतु बीजों, बिजौलों व प्राकृतिक पुनरुत्पादन को बड़ी हानि पहुंचती है। क्लाइमेट चेंज की दशा में आर्द्र तराई क्षेत्रों के वनों में हर जगह पुराने जंगलों में जमीन के ऊपर के जैवभार (बायोमास) में कमी आने की भारी आशंका है। उष्ण कटिबंध में वर्ष 2081-2100 के मध्य तक तापमान बढ़ने के कारण इस कमी का अनुमान 41 प्रतिशत और विश्व स्तर पर 29 प्रतिशत है (देखें, एम. लर्जावारा इत्यादि, कार्बन बैलेंस एंड मैनेजमेंट, 16(1):31, 2021)।

प्राकृतिक और मानव-जनित कारणों से आग भी ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को बड़ी हानि पहुँचती है। कई क्षेत्रों में बड़े वृक्षों की शाखाओं को काट कर साल दर साल चारे के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। हर साल शाखा कटान के कारण इन वृक्षों में फूल, फल और बीज लगने की प्रक्रिया भी बाधित होती है। बीजों का उत्पादन और विकीर्णन नहीं होने से प्राकृतिक पुनरुत्पादन बाधित होता है।

पुराने वनों का संरक्षण और प्रबंध प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में विशेष महत्व रखता है। कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन और भंडारण के साथ ही इन वनों के अनगिनत लाभ हैं। वनानुभव व पारिस्थितिक पर्यटन, मानव के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य हेतु संसाधन, जैव-विविधता व आनुवंशिक संसाधन का संरक्षण, भौम-जलस्तर में बढ़त व जल-धाराओं, झरनों व नदियों के रूप में पानी की उपलब्धता, देववनों के रूप में स्थानीय सांस्कृतिक मूल्यों के वाहक होते हैं। ऐसे वनों के संरक्षण को बढ़ावा देने वाली रणनीतियाँ केवल इन वनों को केन्द्रित कर बनाये जाने के बजाय सम्पूर्ण भू-परिदृश्य के स्तर पर बनाना आवश्यक होता है। पहली बात इनमें बड़े वृक्षों की बहुतायत के कारण बड़ी मात्रा में कार्बन जमा होता है और सैकड़ों साल तक होता रहता है, इसीलिये ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को विश्व के कार्बन भण्डार के रूप में जाना जाता है। क्लाइमेट चेंज मिटीगेशन के लिए यह भण्डार अति महत्वपूर्ण है (देखें, एस. लुस्स्येर्टे इत्यादि, नेचर, 455(7210):213-215, 2008)। दूसरी बात यह है कि पुराने पेड़ों में अपेक्षाकृत स्थिर विकास दर होती है, जो ग्लोबल वार्मिंग के विरुद्ध उल्लेखनीय प्रतिरोध देती है (देखें, एम. कोलेंगेलो इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 801,149684, 2021)। इसके साथ ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसे वन अन्य क्षेत्रों में वनों के पुनर्स्थापन के लिये उन प्रजातियों के बीजों और जैव-विविधता के सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं जो लोगों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं किन्तु उष्णकटिबंधीय वनों के अन्य क्षेत्रों से स्थानीय रुप से विलुप्त हो चुकी हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 17(2):633-635, 2003)।

इसी बात को ध्यान में रखते हुये देश के विभिन्न राज्यों में सभी ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को चिन्हित कर संरक्षण व संवर्धन एवं सतत विकास किया जाना आवश्यक है। इन क्षेत्रों के अंदर पुराने और बड़े वृक्षों का संरक्षण और साथ में संपूर्ण क्षेत्र का संरक्षण दोनों को ही ध्यान रखना आवश्यक है। यहाँ चराई और कटाई से बचाव के साथ-साथ यहां सूखी गिरी पड़ी लकड़ी को भी बाहर निकालने से रोकना आवश्यक है। जैसा कि ऊपर बताया गया है सूखे गिरे पड़े वृक्ष भी तमाम प्रजातियों के संरक्षण के लिये आवश्यक हैं।

यदि इन क्षेत्रों में प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं हो रहा है तो वनों के वितान में जहां खुले स्थान मिल रहे हैं वहां पर उसी प्रकार की प्रजातियों का रोपण आवश्यक है जो ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट में पाई जाती हैं। ऐसी प्रजातियां प्रायः बड़े बीजों वाली और चौड़ी पत्ती वाली होती हैं। बड़े बीज होने से इनका विकीर्णन बड़े शरीर वाले प्राणियों द्वारा ही हो सकता है परंतु चूंकि अनेक क्षेत्रों से बड़े शरीर वाले प्राणी विलुप्त हो चुके हैं इसलिए हमें वृक्षारोपण, सीधी बुवाई और डंडारोपण करना आवश्यक हो जाता है। उदाहरण के लिए राजस्थान में बड़े बीजों वाली प्रजातियों में आम, महुआ, जामुन, अर्जुन, बहेड़ा, सादड़, कणज, घटबोर, लिसोड़ा, बीजासाल, खाखरा, कड़ाया, सीताफल, बेल, नीम, कचनार, तेंदू, बिस्तेंदू, गोदल, ऊंबिया, इमली, सागवान, बेर, खजूर, अचार या चारोली, कुसुम, हिंगोट, अरीठा, आदि शामिल हैं। कुछ ऐसी प्रजातियाँ भी उगाना चाहिये जो फलों के लिये प्रसिद्ध हैं, भले ही वे छोटे बीज वाली हों। आँवला, बरगद, कैंथगूलर, पीपल, कैर, लिसोड़ा, जाल, खेजड़ी आदि फल के लिये जानी जाती हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, अरावली के वन्य वृक्षः वनवर्धन एवं पौधशाला प्रबंध, पृष्ठ 1-24, 1992)।

चूंकि ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स का दायरा धीरे-धीरे बढ़ाना आवश्यक है। इसके लिए सबसे उपयोगी यह है कि ऐसे क्षेत्रों को फॉरेस्ट रेस्टोरेशन के लिये चयनित किये जा रहे बड़े क्षेत्रों के अंदर लेकर बड़े दायरे में बीजारोपण व बहुत आवश्यक हो तो वृक्षारोपण करना चाहिये। बाहर के दायरे में जहां प्रजाति विविधता कम है या क्षेत्र खाली हो गये हैं वहां पर अर्ली-सक्सेशनल, मिड-सक्सेशनल, और लेट-सक्सेशनल प्रजातियों के मिश्रण की मृदा व जल संरक्षण के साथ सीधी बुवाई किया जाना उपयोगी रहेगा। साथ ही थोड़ी-बहुत वनस्पति जो उस क्षेत्र में हो उसका संरक्षण करना उपयोगी रहेगा। ऐसा करने से धीरे-धीरे ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट का दायरा बढ़ने लगेगा। इस रणनीति का एक लाभ यह भी है कि क्षेत्र में पक्षियों द्वारा विकीर्णित होने वाले बीजों का विकीर्णन भी पूरे वृक्षारोपण क्षेत्र में बढ़ेगा। सुरक्षित क्षेत्र में होने वाला अंकुरण और पनपने वाले पौधों के सुरक्षित बड़े पौधों के रूप में विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

प्राचीन, विशालकाय वृक्षों वाले उष्णकटिबंधीय वन जैव-विविधता की जीती-जागती अनमोल विरासत हैं। इनका संरक्षण वैश्विक प्राथमिकता है। उष्णकटिबंधीय वनों और जैव-विविधता से मानवता को प्राप्त होने वाले सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ हेतु पुराने प्राथमिक वनों का कोई विकल्प नहीं है। प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में इन वनों के प्रमाण-आधारित प्रबंध में निवेश अनिवार्य है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

सेल थेरेपी: कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक नया हथियार

प्रो. अशोक कुमार

भारत में कैंसर एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। 2022 में, भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 14,61,427 थी, जो दुनिया में कैंसर के मामलों का लगभग 20 है। कैंसर से होने वाली मृत्यु दर भी भारत में उच्च है, 2018 से 2022 के दौरान 8,08,558 लोगों की मृत्यु हुई। कैंसर एक गंभीर बीमारी है, लेकिन समय पर पता लगाने और इलाज के साथ, कई लोगों को कैंसर से ठीक होने में मदद मिल सकती है।

दशकों से, कैंसर के इलाज की नींव सर्जरी, कीमोथेरेपी और विकिरण थेरेपी रही है। ये उपचार के महत्वपूर्ण मुख्य आधार बने हुए हैं, लेकिन उपचार की नई श्रेणियों ने हाल ही में कैंसर से पीड़ित लोगों के लिए उपचार की तस्वीर बदलने में मदद की है।

पिछले एक दशक में, इम्यूनोथेरेपी – ऐसी थेरेपी जो ट्यूमर पर हमला करने के लिए रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली की शक्ति को बढ़ाती है और मजबूत करती है – तेजी से बन गई है जिसे कई लोग कैंसर के उपचार का 'पांचवां स्तंभ' कहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रतिरक्षा प्रणाली-बढ़ाने वाली दवाओं ने उन्नत कैंसर वाले कुछ लोगों में ट्यूमर को कम करने और यहां तक कि खत्म करने की क्षमता दिखाई है। रोगियों के एक छोटे से प्रतिशत में, ये उपचार प्रतिक्रियाएँ वर्षों तक बनी रह सकती हैं।

उदाहरण के लिए, इम्यून चेकपॉइंट इनहिबिटर नामक दवाएं मेलेनोमा, फेफड़े, किडनी, मूत्राशय और लिम्फोमा सहित कई प्रकार के कैंसर से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए पहले से ही व्यापक उपयोग में हैं।

कार टी-सेल थेरेपी: एक 'जीवित दवा'

सीएआर टी कोशिकाएं 'मरीज़ों को एक जीवित दवा देने' के बराबर हैं! जैसा कि उनके नाम से पता चलता है, टी कोशिकाएं – जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में मदद करती हैं और रोगजनकों से संक्रमित कोशिकाओं को सीधे मारती हैं – सीएआर टी-सेल थेरेपी की रीढ़ हैं।

कार टी सेल थेरेपी

रक्त कैंसर के लिए नवीनतम, सबसे आशाजनक उपचारों में से एक काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर)-टी सेल थेरेपी है। ये उपचार कैंसर से लड़ने में मदद के लिए आपके शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली का उपयोग करते हैं।

कार टी सेल थेरेपी क्या है?

सीएआर टी सेल थेरेपी एक प्रकार का कैंसर इम्यूनोथेरेपी उपचार है जो टी कोशिकाओं नामक प्रतिरक्षा कोशिकाओं का उपयोग करता है जिन्हें प्रयोगशाला में आनुवंशिक रूप से बदल दिया जाता है ताकि उन्हें कैंसर कोशिकाओं को अधिक प्रभावी ढंग से नष्ट करने में सक्षम बनाया जा सके।

लेकिन, सीएआर टी सेल थेरेपी से किन बीमारियों का इलाज किया जाता है? सीएआर टी उपचार कुछ प्रकार के कैंसर के खिलाफ बहुत प्रभावी हो सकता है, तब भी जब अन्य उपचार काम नहीं कर रहे हों। वर्तमान में, सीएआर टी थेरेपी कई प्रकार की हेमटोलॉजिकल विकृतियों के इलाज के लिए एफडीए-अनुमोदित है, जिनमें शामिल हैं: लेकिमिया, लिंफोमा, एकाधिक मायलोमा

कार टी सेल थेरेपी कैसे काम करती है?

टी कोशिकाएं श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं जो पूरे शरीर में बीमारी और संक्रमण का पता लगाती हैं और उनसे लड़ती हैं। प्रत्येक टी कोशिका में एक रिसेप्टर होता है जो एंटीजन (प्रोटीन या अणु जो प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा पहचानने योग्य होते हैं) को पहचान सकता है। जब प्रतिरक्षा प्रणाली विदेशी या असामान्य एंटीजन को पहचानती है, तो यह उन्हें नष्ट करने का काम कर सकती है।

लेकिन कैंसर कोशिकाओं में कभी-कभी एंटीजन होते हैं जिन्हें शरीर असामान्य नहीं पहचान पाता है। परिणामस्वरूप, प्रतिरक्षा प्रणाली कैंसर कोशिकाओं से लड़ने के लिए टी कोशिकाओं को नहीं भेज सकती है। अन्य मामलों में, टी कोशिकाएं कैंसर कोशिकाओं को साफ़ करने में सक्षम नहीं हो सकती हैं।

काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर टी कोशिकाएं वे कोशिकाएं हैं जिन्हें प्रयोगशाला में आनुवंशिक रूप से इंजीनियर (परिवर्तित) किया जाता है। उनके पास एक नया रिसेप्टर होता है जिससे वे कैंसर कोशिकाओं से जुड़ सकते हैं और उन्हें मार सकते हैं।

विभिन्न प्रकार के कैंसर में अलग-अलग एंटीजन होते हैं। प्रत्येक प्रकार की सीएआर टी सेल थेरेपी एक विशिष्ट प्रकार के कैंसर एंटीजन से लड़ने के लिए बनाई जाती है। इसलिए एक प्रकार के कैंसर के लिए बनाई गई सीएआर टी सेल थेरेपी दूसरे प्रकार के कैंसर के खिलाफ काम नहीं करेगी।

सीएआर टी थेरेपी प्रक्रिया: सीएआर टी सेल थेरेपी एक जटिल प्रक्रिया है जिसे व्यापक अनुभव वाले विशेषज्ञों द्वारा किया जाना चाहिए।

इस प्रक्रिया में कुछ सप्ताह लगते हैं, और चरणों में आम तौर पर शामिल होते हैं:

टी कोशिकाओं को एकत्रित करना: हम आपकी बांह की नस से रक्त निकालते हैं। रक्त एक ट्यूब के माध्यम से एफेरेसिस मशीन में प्रवाहित होता है, जो टी कोशिकाओं को हटा देता है। मशीन शेष रक्त को एक अलग ट्यूब के माध्यम से आपके शरीर में वापस लौटा देती है।

टी कोशिकाओं की इंजीनियरिंग: एक प्रयोगशाला में, वैज्ञानिक एक निर्मित सीएआर जोड़कर टी कोशिकाओं की इंजीनियरिंग करते हैं। फिर लैब सीएआर टी कोशिकाओं को गुणा और बढ़ने देती है।

सीएआर टी कोशिकाओं को शामिल करना: एक बार जब प्रयोगशाला में पर्याप्त सीएआर टी कोशिकाएं हो जाती हैं, तो हम उन्हें वापस आपकी बांह में इंजेक्ट कर देते हैं।

कार टी सेल थेरेपी साइड इफेक्ट्स

सीएआर टी सेल थेरेपी कुछ दुष्प्रभाव या जटिलताएँ पैदा कर सकती है।

सीएआर टी सेल थेरेपी की एक गंभीर जटिलता साइटोकिन रिलीज सिंड्रोम (सीआरएस) है। सीएआर टी कोशिकाएं साइटोकिन्स नामक रसायन छोड़ सकती हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली से प्रतिक्रिया का कारण बनता है। संकेत और लक्षणों में शामिल हो सकते हैं: बुखार और ठंड लगना, चक्कर आना, चक्कर आना या सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द, मतली, उल्टी या दस्त, तेज धड़कन, कम रक्तचाप, सांस लेने में दिक्कत!

सीएआर टी थेरेपी तंत्रिका तंत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इन संकेतों और लक्षणों में शामिल हो सकते हैं: भ्रम, झटके (कंपकंपी) या दौरे, बोलने या समझने में परेशानी होना, संतुलन या चेतना की हानि! अन्य गंभीर दुष्प्रभाव जिनके लिए चिकित्सकीय ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है उनमें शामिल हैं: रक्त में महत्वपूर्ण खनिजों का असामान्य स्तर एलर्जी संक्रमण, चोट लगने या रक्तस्त्राव का खतरा।

–प्रो. अशोक कुमार
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय ,
अध्यक्ष आईएसएलएस, प्रिसिडेंट सोशल रिसर्च फाउंडेशन, कानपुर

24 घंटे पानी देने वाले हैंडपंप आज शो पीस बनकर खड़े हैं

किशनगढ़बास में हनुमान मंदिर के पीछे चौक में लगा हैंडपंप शो-पीस बनकर रह गया है।

किशनगढ बास, (निसं)। 24 घंटे पानी देकर लोगों की जरूरत को पूरा करने वाले हेडपंप देख-रेख के अभाव में आज शो पीस बनकर खड़े हैं। लोग हैंड पंप की अहमियत को भूल गए हैं। चलते हुए राहगीर भी हेड पंप का पानी पीकर अपने कंठों की प्यास बुझा लिया करते थे।

नगर पालिका जन अभियंत्रिक विभाग पानी की समस्या ग्रस्त इलाकों में पानी की आपूर्ति करने के लिए हजारों लाखों रुपए टैंकरों से पानी पहुंचाने पर खर्च कर देता है लेकिन 24 घंटे लोगों को पानी देने वाले वीरान पडे हेडपंपो पर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं गया है। इतना ही नहीं हेड पंपों को जनप्रतिनिधि भूल से गए हैं और कोई नहीं जो ठीक कराने के लिए आवाज उठाए।

नगर पालिका किशनगढ बास में 25 वार्ड है और हर वार्ड के गली मोहल्लों के साथ सार्वजनिक पार्क मंदिर स्कूल हॉस्पिटल बस स्टैंड आदि स्थानों पर हेड पंप लगे हैं। इन हेड पंपों

■ प्रधानमंत्री की हर घर नल से पानी पहुंचाने की योजना ने हेड पंप की अहमियत को खत्म किया

को लगाने पर सरकार का लाखों करोडों रुपया खर्च हुआ होगा। कहीं भूजल स्तर नीचे चले जाने से हेड पंप पानी देना छोड गए हैं तो कहीं तकनीकी खराबी के कारण पानी नहीं दे पा रहे हैं। सालों से हेड पंप सार्वजनिक एवं सरकारी स्थानों पर शोपीस बनकर खड़े हैं। कुछ साल पहले तक लोग हेड पंप लगवाने के लिए तरसते थे नेताओं और अधिकारियों के चक्कर लगाया करते थे। हेड पंप लगाने के लिए मिन्नत किया करते थे अब लगता है लोगों की नजरों में हेड पंप का महत्व घट गया है।

हेडपंप लगने पर आसपास के कॉलोनी मोहल्ले के खुश होते थे। पानी भरने वालों की लाइन लगा करती थी। आज कोई खराब पड़े हेड पंप को ठीक कराने के लिए आवाज उठाने वाला तक नहीं रहा है। लोगों का मानना है कि हेड पंप ठीक हो जाए और फिर से पानी देने लगे तो पानी की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। टैंकरों से पानी पहुंचाने पर होने वाले खर्च से बचा जा सकता है। वहीं चलते राहगीर भी हेड पंप का पानी पीकर अपनी प्यास को बुझा सकते हैं लेकिन यह बात ना तो अधिकारियों को समझ में आ रही है और ना ही लोग समझ पा रहे हैं। हर किसी व्यक्ति का केवल बोरिंग पर ध्यान केंद्रित होकर रह गया है। हेड पंपों को लोग भूल सा गए हैं। इसमें दोष किसी का नहीं है क्योंकि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर घर तक नल से पानी पहुंचाने की बात कर रहे हैं। ऐसे में अधिकारी जनप्रतिनिधियों का ध्यान हर घर तक पानी पहुंचाने में लगा है। लेकिन हेड पंप की अहमियत को अगर समझा जाए तो अलग है। हेड पंप वह व्यवस्था है जो कभी भी आदमी पानी की प्यास बुझाने के लिए काम में ले सकता है।

देश की दूसरी महिला रेस्क्यू टीम का गौरव भी हिन्दुस्तान ज़िंक को

रामपुरा आगुचा माइंस में महिला टीम ने पूर्ण प्रशिक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। हिन्दुस्तान जिंक की राजपुरा दरीबा माइंस के देश के पहली महिला रेस्क्यू टीम का गौरव हासिल करने बाद रामपुरा आगुचा माइंस में महिला रेस्क्यू टीम ने अपना प्रशिक्षण पूर्ण कर देश में दूसरी महिला माइंस रेस्क्यू टीम की उपलब्धी प्राप्त की हैं। रामपुरा आगुचा खदान का सुरक्षा में समावेशिता और उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

माइन रेस्क्यूएनस्टेशन, वेस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड, नागपुर के विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं खान सुरक्षा महानिदेशालय के निर्देशों के अनुपालन में, रामपुरा आगुचा खदान की महिला इंजीनियर ने 18 दिनों का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण किया।

अंडरग्राउंड माइन ऑपरेशंस एंड मेंटेनेंस की 8 प्रतिभाशाली महिला इंजीनियरों को भूमिगत खदान बचाव तकनीकों में सावधानीपूर्वक प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में टीम को महत्वपूर्ण जीवन-रक्षक कौशल, जिसमें सीपीआर, स्व-निहित क्लोज्ड सर्किट ब्रीदिंग उपकरण का उपयोग, पुनर्जीवित उपकरण, और

■ राजपुरा दरीबा के बाद रामपुरा आगुचा माइंस में महिला टीम ने पूर्ण प्रशिक्षण किया

■ हिन्दुस्तान जिंक की राजपुरा दरीबा माइंस के देश के पहली महिला रेस्क्यू टीम का गौरव पहले ही हासिल हो चुका है

हताहतों को बचाने के लिए घनी आग और धुएं वाले क्षेत्रों में नेविगेट करना शामिल है। इसके अलावा, उन्हें जमीन ढहने परिस्थिति में फंसे व्यक्तियों को बचाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। अत्याधुनिक तकनीकों और बचाव उपकरणों का उपयोग करते हुए, टीम सभी कार्यों में सुरक्षा और दक्षता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करते हुए, फंसे हुए खनिकों को खोजने और बचाने में भी दक्ष है।

राशिफल रविवार 28 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र रात्रि 4:49 तक, शिव योग रात्रि 4:05 तक, बालव करण प्रातः 8:22 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 4:49 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:32 से 9:10 तक, लाभ-अमृत 9:10 से 12:24 तक, शुभ 2:02 से 3:39 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:55, सूर्यास्त 6:54

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज रचनात्मक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी आ सकती है।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों, परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नचे-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

'पशु संरक्षण एवं उत्पादकता बढ़ाने में विश्व स्तर पर वेटरनरी प्रोफेशन की जरूरत'

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने विश्व पशु चिकित्सा दिवस कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।

- 'वेटरनरी प्रोफेशन ना केवल पशुओं के इलाज तक सीमित है अपितु इसका मानव कल्याण में भी अमूल्य योगदान है'
- विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय के तीनों संगठक महाविद्यालयों एवं विभिन्न इकाईयों में शनिवार को विश्व पशु चिकित्सा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस इस वर्ष 'पशु चिकित्सक आवश्यक स्वास्थ्य कार्यकर्ता' विषय पर मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने विश्व पशु चिकित्सा दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन पशुचिकित्सकों के पशु रोग निदान, त्याग, कर्तव्य एवं समाज के उत्थान में योगदान हेतु महती भूमिका को याद करने का दिन है। प्रो. गर्ग ने कहा कि वेटरनरी प्रोफेशन का कार्यक्षेत्र एवं महत्व बहुत व्यापक है। मनुष्य एवं पशुओं में संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोकने, सुरक्षित खाद्य उपलब्धता करवाने, पशु संरक्षण एवं उत्पादकता बढ़ाने में विश्व स्तर पर आज वेटरनरी प्रोफेशन की महती आवश्यकता को महसूस किया जाने लगा है।

आज एकल स्वास्थ्य मिशन की परिकल्पना बिना वेटरनरी के योगदान के अधूरी है। प्रो. गर्ग ने कहा कि भारत आदिकाल से ही ज्ञान एवं कला का भण्डार रहा है। हमें हमारे चिकित्सकीय एवं रोग निदान क्षेत्र में पौराणिक ज्ञान के संचय को समझने एवं नवीन शोधों के प्रमाणीकरण एवं लेखन की बहुत आवश्यकता है। हमें नवीन शोध तकनीकों एवं रोग निदान विद्याओं के उन्नत ज्ञान से पशुओं एवं मानव में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों को नियंत्रण करके समाज हित में अपना अमूल्य योगदान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के एल्युमिनाई डॉ. राजेश कटोच, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज जम्मू ने परजीवी संक्रामकता पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया और बताया कि परजीवी संक्रामकता के कारण ना केवल पशुओं में उत्पादन हास हो रहा है अपितु मनुष्यों में भी संक्रामकता का व्यापक असर देखा जा रहा है। पशु चिकित्सक इन परजीवी रोगों के बारे में आमजन को जागरूक करके समाज में अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं।

प्रो. कटोच ने विद्यार्थियों को निष्ठावान, संघर्षशील एवं चरित्रवान बनने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर की एल्युमिनाई डॉ. भारती जैन, संस्थापक स्वैश लीगल कंसलटेंसी, अधिवक्ता और पेटेंट एजेंट ने 'बौद्धिक सम्पदा का वेटरनरी व्यवसाय में सहयोग' विषय पर व्याख्यान दिया और कहा कि हमें हमारी शोध, तकनीक एवं लेखन को पेटेंट एवं लीगल अधिकार देने की बहुत आवश्यकता है। भारत में विभिन्न भौगौलिक क्षेत्र में परम्परागत तकनीकों का बहुत ज्ञान है जो कि रोग नियंत्रण एवं उत्पादन बढ़ाने में बहुत सहायक है। लेकिन जानकारी के अभाव में लिगल अधिकार न होने से इसका व्यवसायीकरण करना मुश्किल है। डॉ. भारती ने वातावरण एवं पारिस्थितिकी संतुलन में वेटरनरी प्रोफेशन के योगदान के बारे में भी जानकारी प्रदान की। विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. हेमन्त दाधीच ने अपने उद्बोधन में कहा कि दो दशक पहले की तुलना में आज वेटरनरी प्रोफेशन का महत्व विश्व स्तर पर बढ़ गया है। वेटरनरी प्रोफेशन ना केवल पशुओं के इलाज तक सीमित है अपितु इसका मानव कल्याण में भी अमूल्य योगदान है।

अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर प्रो. ए.पी. सिंह ने स्वागत भाषण दिया एवं कहा कि विश्व पशुचिकित्सा संघ ने अप्रैल के अंतिम शनिवार को प्रत्येक वर्ष विश्व पशु चिकित्सा दिवस को मनाने का निर्णय लिया है। पूरे विश्व में वेटेरियन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके अपने योगदान एवं कर्तव्यों को याद करते हैं। अधिष्ठाता प्रो. ए.पी. सिंह ने बताया कि विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर वेटरनरी महाविद्यालय के क्लीनिकस में निःशुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें चालीस श्वानों को टीके लगाए गये। रेबीज टीकाकरण आयोजन में डॉ. साकार पालेचा, डॉ. महेन्द्र तंवर, डॉ. प्रमोद, डॉ. सीताराम गुप्ता एवं पी.जी. एवं पी.एच.डी. विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

प्रेमी पर ही कराया रेप का केस

हनुमानगढ़, (कासं)। परिजनों की मर्जी के खिलाफ विवाह करने वाले प्रेमी युगल के अपहरण व मारपीट मामले में नया मोड़ आ गया है। युवती ने कथित प्रेमी के खिलाफ महिला थाने में बलात्कार का मामला दर्ज कराया है।

इससे पहले प्रेमी युवक के पर्चा बयान पर टाउन पुलिस ने बुधवार रात युवती के परिजनों पर एससीएसटी एक्ट, अपहरण, छीनाझपटी, मारपीट आदि धाराओं में मामला दर्ज किया था। इस मामले में टाउन पुलिस ने शुक्रवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। जांच अधिकारी एससीएसटी सेल सीओ रणवीर साई ने बताया कि इमीलाल नायक ने पर्चा बयान से मामला दर्ज कराया था कि उसे व उसकी पत्नी को मंगलाराम वगैरह कोलायत से अपहरण कर लाए तथा अपनी ढाणी के पास ले जाकर मारपीट की।

इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है तथा आरोपी मंगलाराम भाट निवासी वार्ड आठ, 26 एसएसडब्लयू फतेहगढ़ हाल जोड़कियां तथा कृष्ण भाट निवासी सालीवाला को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कृष्ण भाट को जेल भिजवा दिया तथा मंगलाराम का पीसी रिमांड मंजूर करवाया गया। वहीं युवती ने महिला थाने में मामला दर्ज कराया कि संदीप उर्फ इमीलाल निवासी जोड़कियां, पुष्पा पत्नी ओमप्रकाश व ओमप्रकाश निवासी रोड़ांवाली उसे नशीली वस्तु खिलाकर ले गए। संदीप ने उससे दुष्कर्म किया। सीओ साई ने बताया कि दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करवाने वाली पीड़िता के बयान दर्ज करवा दिए हैं।

सार-समाचार

भागवत कलश यात्रा निकाली

भागवत कथा संकीर्तन भजन के साथ कलश यात्रा निकाली।

बीकानेर, (कासं)। भगवान श्रीकृष्ण के भक्तजनों की ओर से वैशाख मास के पावन अवसर पर शास्त्री नगर की वीर हनुमान वाटिका परिसर में शनिवार को शुरू होने वाले भागवत कथा रसोत्सव की पूर्व संध्या शुक्रवार को संकीर्तन, भजन के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा ड्प्लेक्स कॉलोनी मार्ग के वीरा सेवा सदन से रवाना होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए शास्त्री नगर की वीर हनुमान वाटिका पहुंची। जहां महिलाओं ने भागवत नाम संकीर्तन करते हुए नृत्य किया। कलश यात्रा में महिलाएं कसुम्बल साड़ियां पहने हुए सिर पर श्रीफल युक्त कलश लिए हुए थी। वे संकीर्तन भजन करने के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगा रहीं थी। कलश यात्रा में वीरा सेवा सदन में ठहरे पी.बी.एम. में उपचार करवाने वाले महिला पुरूषों ने भी हिस्सा लिया। कलश यात्रा में पंडित भी नंगे पांव प्रभु नाम करते हुए वैदिक मंत्रोच्चारण करते हुए अपने सहयोगी पंडितों के साथ पैदल चल रहे थे। अनेक स्थानों पर कलश यात्रा में शामिल महिलाओं का पुष्प वर्षा कर व शीतल पेय पिलाकर स्वागत किया गया। शनिवार से ही भागवत का मूल पाठ व द्वादश अक्षर मंत्र का जाप शुरू होगा।

सौंफ का शरबत बनाना सिखाया

लू व गर्मी से बचाने के लिए सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना सिखाया।

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा राज्यपाल के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डूंकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। डूंकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पन्ना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही बताया गया कि महिलाएं घर में ही इन शरबत को बड़े पैमाने पर तैयार कर आय का जरिया भी बना सकती हैं। शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कालू में नसबंदी शिविर का निरीक्षण

लंदन की प्रतिनिधि डॉ मोए का कालू अस्पताल में नसबंदी शिविर के निरीक्षण के दौरान साफा पहनाकर स्वागत किया।

बीकानेर, (कासं)। स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग बीकानेर की सहयोगी संस्था एफआरएचएस के लंदन मुख्यालय से आए प्रतिनिधि मंडल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कालू में चल रहे स्थाई सेवा दिवस परिवार कल्याण शिविर का निरीक्षण किया। डॉ मोए के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल द्वारा बीकानेर जैसे सुदूर पश्चिम क्षेत्र में आमजन को दी जा रही परिवार कल्याण सेवाओं की गुणवत्ता मूल्यांकन किया गया। नसबंदी सेवाओं में गुणवत्ता बढ़ाने और सुविधाओं के विस्तार हेतु अपनी रिपोर्ट तैयार की। प्रतिनिधिमंडल में एफआरएचएस के स्टेट क्लीनिकल इंचार्ज डॉ अनिल नेहरा, डॉ डी. के. पुरोहित, डॉ एम. एस. बिट्टू शामिल थे। अस्पताल की प्रभारी डॉ ललिता लेघा और नर्सिंग अधिकारी रामनिवास सियाग व मनीषा द्वारा प्रतिनिधि मंडल को अस्पताल की सेवाओं से अवगत करवाया।

पांचवीं बोर्ड परीक्षा में शिक्षक एस्कॉर्ट की भूमिका निभायेंगे

- शिक्षक एस्कॉर्ट की भूमिका निभाते हुए नजर आयेंगे ताकि विद्यार्थी स्कूल जाने का रास्ता नहीं भूलें

बीकानेर, (कासं)। चार दिन बाद शुरू होने वाली पांचवीं बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों के लिए शिक्षक एस्कॉर्ट की भूमिका निभाते हुए नजर आयेंगे ताकि विद्यार्थी स्कूल जाने का रास्ता नहीं भूले और सही समय पर स्कूल पहुंच सकें।

हालांकि अभिभावक स्वयं बच्चों को परीक्षा देने के लिए लाने ले जाने का काम करते हैं। फिर भी स्कूलों के शिक्षकों को एस्कॉर्ट के रूप में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा यदि किसी प्रवेश पत्र पर परीक्षार्थी का फोटोग्राफ स्कैन नहीं हुआ है, तो संस्था प्रधान परीक्षार्थी से नवीनतम फोटोग्राफ प्राप्त कर प्रवेश पत्र पर चिपका कर अधिप्रमाणित करेंगे। परीक्षा में सभी विषयों के प्रश्न पत्र एक बुकलेट के रूप में द्विभाषीय स्वरूप में होंगे, जिसमें परीक्षार्थी को निर्धारित स्थान पर ही अपना उत्तर लिखना होगा। परीक्षार्थी को अलग से उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

प्रश्न पत्रों के आउट होने के भय से वितरण दिवस से पूर्व ही निकटवर्ती पुलिस थाने में लोहे की अलमारी में रखा जायेगा। प्रश्न पत्र पैकेट्स की जांच करके अलमारी में परीक्षा दिवस वार व्यवस्थित कर सील बंद कर रखना होगा। जिन परीक्षा केन्द्रों के नजदीक कोई पुलिस थाना अथवा पुलिस चौकी नहीं है, तो उन्हें परीक्षा केन्द्रों के प्रश्न पत्र उसी एकल परीक्षा केन्द्र पर लोहे की अलमारी में सुरक्षा के साथ रखने होंगे। प्रश्न पत्रों की सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारी केन्द्राधीक्षक की रहेगी। वे इसके लिए केन्द्र पर कार्मिकों की राउण्ड द क्लॉक ड्यूटी लगायेंगे। अलमारी के दो तालों की चाबी केन्द्राधीक्षक व अतिरिक्त केन्द्राधीक्षक के पास रहेगी। दोनों की उपस्थिति के बिना अलमारी को नहीं खोला जा सकेगा।

केन्द्राधीक्षक की ओर से प्रश्न पत्र अलमारी से निकालने एवं थाने से परीक्षा केन्द्र तक सुरक्षित ले जाने के रिकॉर्ड के लिए एक रजिस्टर अनिवार्य रूप से संधारित किया जायेगा। परीक्षा शुरू होने से 15 मिनट पहले पैकेट खोले जायेंगे। यदि किसी केन्द्र पर परीक्षार्थियों की संख्या 500 से अधिक है, तो लिफाफों को 20 मिनट पूर्व खोला जा सकेगा। निजी विद्यालयों में बनाए गए परीक्षा केन्द्र के अधीक्षक के रूप में उसी ब्लॉक के किसी राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य, उप प्राचार्य एवं व्याख्याता को नियुक्त किया जायेगा।

अविमुक्तेश्वरानंद के बीकानेर प्रवास की तैयारी

बीकानेर,(कासं)। ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बीकानेर प्रवास को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। मीटिंग में कमेटियां गठित कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

सनातन धर्म रक्षा मंच के तत्वावधान में ये आयोजन होगा। आयोजन समिति के सूरजमाल सिंह नीमराणा के अनुसार आयोजन समिति के मुख्य कार्यालय आनंद निकेतन भवन में स्थापित किया गया है, जिसकी शुरुआत 28 अप्रेल को संतों द्वारा विधि विधान से पूजन कर की जायेगी। आयोजन को लेकर विभिन्न कमेटियां गठित की गई हैं। जिनमें कार्यक्रम वित्त कमेटी में संतोषानंद महाराज, शिवलाल तेजी, सूरजमालसिंह नीमराणा, प्रेमसिंह घुमान्दा, ओम सोनगरा, पंडित गायत्री शर्मा व पंडित भाईश्री को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सुबह-शाम को पतंगबाज़ी पर रहेगी रोक

- धातु निर्मित मांझे की थोक व खुदरा बिक्री, भण्डारण पर रोक लगाई

बीकानेर,(कासं)। जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने जिले में धातु निर्मित मांझे की थोक व खुदरा बिक्री, भण्डारण, परिवहन तथा उपयोग को प्रतिबंधित करने के आदेश जारी किए हैं। चाईनीज मांझे के उपयोग से लोक स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पशु पक्षियों को बचाने तथा विद्युत प्रसारण को बाधा रहित बनाने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 144 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किए गए हैं।

आदेशानुसार जिले में इस प्रकार के मांझे का भण्डारण, विक्रय, परिवहन तथा उपयोग करने पर संबंधित के विरूद्ध सम्यक कानून के तहत कार्यवाही की जायेगी। साथ ही पक्षियों के विचरण की गतिविधियां मुख्यतः प्रातः 6 बजे से 8 बजे एवं सायं 5 बजे से 7 बजे के मध्य होती है, इसके मद्देनजर इस समय पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि पतंगबाजी के लिए धातुओं के मिश्रण से निर्मित मांझा (चाईनीज मांझा) प्रयुक्त किया जाने लगा है। इसके उपयोग से दुपहिया वाहन चालक तथा पक्षियों को अत्यधिक जानमाल का नुकसान हो सकता है। साथ ही विद्युत का सुचालक होने के कारण विद्युत तारों के सम्पर्क में आने से पतंग उड़ाने वाले को भी नुकसान और विद्युत सप्लाई में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके मद्देनजर सार्वजनिक हित में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध करने वाले व्यक्ति एवं व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुसार अभियोग चलाया जायेगा।

बाल विवाह रोकने के लिए कार्यशाला

बीकानेर, (कासं)। जिले में आखातीज के अबूझ सावे पर बाल विवाह रोकथाम के लिए पंचायत समिति सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया। आगामी आखातीज पर बाल विवाह रोकने के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से यह कार्यशाला आयोजित की गई।

इस अवसर पर महिला अधिकारिता उपनिदेशक डॉ.अनुराधा सक्सेना ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही बाल विवाह पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी, स्कूलों में जाने वाली बच्चियों की ओर विशेष ध्यान दें जब बच्चे अचानक विद्यालय या आंगनबाड़ी में ना आये तो ध्यान दिया जाए। विशेष समझाइश के साथ परिवारजनों को भी जागरूक किया जाए। संरक्षण अधिकारी सतीश परिहार ने बाल विवाह रोकथाम हेतु की जा सकने वाली कार्यवाही की जानकारी दी। साथ ही बाल विवाह ना हो इस हेतु साथिन एवं उपस्थित अन्य महिलाओं को इससे जुड़ी सूचना 1098 तथा 181 पर तुरंत देने के प्रति जागरूक किया गया। एडवोकेट वीणा खडगावत ने भी बाल विवाह को शून्य करने की प्रक्रिया पर विचार रखे।

कार्यक्रम में इंदिरा महिला शक्ति केंद्र का समस्त स्टाफ एवं कृष्णा प्रजापत, पंडित ललित, अशोक, पूजा पार्लर, द्रोपती नाई, महिला पर्यवेक्षक रश्मि कल्ला आदि उपस्थित थे। इस दौरान उपनिदेशक ने बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई।

18 जून को लद्दाख के लिये रवाना होगा दल

बीकानेर, (कासं)। हिमालय परिवार का दल 18 जून को बीकानेर से आगामी सिंधु दर्शन यात्रा हेतु रवाना होगा।

महासचिव आर. के. शर्मा ने बताया कि सिंधु दर्शन यात्रा हेतु ऑनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है। दल के सदस्य कुरू॰क्षेत्र से बस द्वारा मनाली मार्ग से लेह पहुंचेगा। वापसी में दल के सदस्य कारगिल व श्रीनगर मार्ग से जम्मू पहुचेंगे तथा रेल मार्ग से वापस बीकानेर लौटेंगे। जिलाध्यक्ष नरेश अग्रवाल ने बताया कि दल के सदस्य लेह में होने वाली सिंधु आरती में शामिल होंगे तथा चार दिन के प्रवास में पेंगांग लेक का भ्रमण भी करेंगे। प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. सुषमा बिस्सा ने बताया कि हवाई यात्रा का विकल्प भी रखा गया है।

गंगानगर में 20 मार्गों पर रोडवेज बसें बंद होने से लोग परेशान

- श्रीगंगानगर आगार डिपो के पास कुल 98 बसें हैं। इनमें 74 बसें रोडवेज की और 24 बसें अनुबंधित हैं

श्रीगंगानगर, (कासं)। रोडवेज के श्रीगंगानगर डिपो में बसों की कमी की वजह से हाल ही में 18 से 20 रूटों पर बसों का संचालन बंद हो चुका है। इस कारण क्षेत्र के यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। इन रूटों पर बसों का संचालन बंद होने से यात्रियों को मजबूरी में लोक परिवहन सेवा या फिर प्राइवेट बसों में सफर करना पड़ रहा है।

निजी बस संचालक मनमर्जी का किराया वसूल कर रहे हैं। साथ ही रोडवेज को राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है। वर्तमान में श्रीगंगानगर आगार डिपो के पास कुल 98 बसें हैं। इनमें 74 बसें रोडवेज की और 24 बसें अनुबंधित हैं। हालांकि श्रीगंगानगर आगार डिपो को करीब 15 नई बसें मिलने वाली है लेकिन फर्म अभी बसें तैयार नहीं कर पा रही। फर्म हर डिपो को नई बसें तैयार कर भेज रही है।

इन बसों में प्रशासन रोडवेज की बसों को ले लेता है और इधर-उधर भेजता रहता है। इस कारण जहां पर रोडवेज की बसें चल रही होती है। वह रूट या तो बंद करना पड़ता है या फिर इस रूट पर बसों की संया कम करनी पड़ती है। इसके बाद इस रूट पर लोक परिवहन और निजी बसों के संचालक धीरे-धीरे मार्ग पर अपना दबदबा बना लेते हैं। इसके बाद में रोडवेज को आर्थिक नुकसान होता है।

रोडवेज को इन रूटों पर फिर यात्री भार नहीं मिलता है। इस कारण बाद में रोडवेज की बस सेवाएं इन रूटों पर नहीं चल पाती है। निगम के अनुसार लोकसभा चुनाव की वजह से छह निगम की बसें बाड़मेर और चार बसें जालौर जिले में पुलिस के जवानों को लेकर गई हुई हैं। यह बसें रात्रि को श्रीगंगानगर से रवाना हुई थीं। अब यह बसें मतदान समाप्त होने पर इन कार्मिकों को लेकर आयेंगी।

सतगुरू रविदास की सरलता मानव जीवन के लिए अनुकरणीय : मनोज दीक्षित

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में सतगुरू रविदास की पवित्र वाणी की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी को कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने संबोधित किया।

- गुरू रविदास की वाणी सदैव ही प्रेरणा प्रदान करती रहेगी

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराम अम्बेडकर सेन्टर फॉर मार्जिनलाइज्ड सोसायटी द्वारा आज 21 वीं सदी में सतगुरू रविदास की पवित्र वाणी की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि व्यक्ति को महान होने के लिए सर्वप्रथम सरल होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संत रविदास ना केवल दार्शनिक थे वरण महान गुरू थे, जिन्होंने भक्तिकाल के दौरान समाज में व्याप्त कुरितियों के विरूद्ध दृढ़ता से अपना संदेश जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने गुरू रविदास के जीवन की सरलता और आध्यात्मिक श्रेष्ठता पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन मूल्यों को वर्तमान पीढ़ी के लिए भी अनुकरणीय बताया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में पधारे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. जी. एस. चौहान ने सम्बोधित करते हुए संत रविदास के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कालखण्ड में समाज का उचित मार्गदर्शन करने के लिए गुरू रविदास की वाणी सदैव ही प्रेरणा प्रदान करती रहेगी। डॉ. चौहान ने कहा कि सतगुरू रविदास ने अपनी वाणी के माध्यम से समाज मे व्याप्त कुरीतियों पर तर्कसंगत प्रहार कर उन्हे सुधारने में महती भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि सिक्ख समाज की गुरूवाणी हो या मीरा बाई का जीवन सभी में गुरू रविदास की शिक्षाओं का समावेश देखने का मिलता है। कार्यक्रम की विशिष्ठ अतिथि डॉ रेणुका व्यास ने बताया कि संत रविदास के अनुसार मनुष्य को श्रेष्ठ बनने के लिए अपने मन पर विजय पाना आवश्यक है। उनके अनुसार गुरू रविदास जैसे समाज सुधारक हर काल खंड मे प्रेरणा के श्रोत एवं प्रासंगिक है।

एस.एस.बी. की छत व प्लास्टर गिरने का लिया जायजा

एस.एस.बी. पहुंचे विधायक जेठानंद व्यास ने छत की सीलिंग और प्लास्टर गिरने का जायजा लिया।

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास शनिवार को सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक पहुंचे और वहां विभिन्न स्थानों पर छत की सीलिंग और प्लास्टर गिरने के बाद की स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने सख्त हिदायत दी कि किसी भी स्थान पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता सहन नहीं किया जायेगा। ऐसे में अस्पताल जैसे स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां यदि गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया है तो इसे किसी स्थिति में माफ नहीं किया जायेगा। उन्होंने मौके पर ही निर्माण सामग्री के नमूने लेने और इन्हें जांच एजेंसी को भेजने के निर्देश दिए।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. सोनाली धवन को कहा कि प्राथमिक तौर पर यदि कहीं प्लास्टर गिरने या भवन को क्षति पहुंचने की संभावना है, तो उसे अविलम्ब दुरस्त करवाया जाए। इस दौरान मरीजों को अन्यत्र शिफ्ट किया जाए। मरीजों और उनके परिजनों की सुरक्षा के साथ किसी स्तर पर लापरवाही नहीं हो। उन्होंने कहा कि आगामी कार्य दिवस के दौरान संभागीय आयुक्त और कलेक्टर से इस संबंध में चर्चा की जायेगी और एसएसबी के निर्माण कार्यों की जांच के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की कमेटी गठित करवाई जाएगी। यदि जांच रिपोर्ट में किसी प्रकार की खामी सामने आई तो संबंधित अधिकारी अथवा ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

बालोतरा में एस.पी. कार्यालय के सामने जमा हुए रविन्द्र सिंह भाटी के समर्थक

बाड़मेर में लोकसभा चुनाव के बाद बवाल, पुलिस आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ

बालोतरा, (निसं)। राजस्थान की सबसे हॉट सीट बाडमेर जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र में वोटिंग के दौरान बायतु इलाके में हुई मारपीट की घटना तूल पकड़ गई है। चुनाव संपन्न होने के बाद यह मामला और उलझता जा रहा है। इस मामले को लेकर आज निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी हजारों समर्थकों के साथ बालोतरा पहुंचे।

उन्होंने वहां पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरना दे दिया। भाटी के साथ आई कार्यकर्ताओं की फौज को देखकर पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए और वहां भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। बाद में निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी और पुलिस के बीच सहमति बनी।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को मतदान के दौरान बाडमेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र में बायतु विधानसभा क्षेत्र में विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि रविन्द्र सिंह भाटी के कुछ समर्थक वहां से निकलते समय अकदडा गांव में एक बूथ पर गए थे। वहां उनका कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस पर वहां कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने भाटी के समर्थकों से मारपीट कर दी। उनकी गाड़ियां तोड़ दी। उसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने वहां मामला शांत करवाया।

निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी ने हजारों समर्थकों के साथ बालोतरा में धरना प्रदर्शन किया।

रविन्द्र भाटी ने लगाए पुलिस पर गंभीर आरोप:- पुलिस इस मामले में 13 लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। इनमें भाटी समर्थक घायल कार्यकर्ता भी थे। बाद में भाटी ने थाने पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। भाटी ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने के गंभीर आरोप लगाए। उनका आरोप था कि पुलिस ने उनके घायल कार्यकर्ताओं को मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं होने दी। वेवजह थाने में रखा, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया। भाटी ने कहा जो लोग वोट देने घर आ रहे थे उनके साथ मारपीट भी हुई और उन्हें गिरफ्तार भी किया गया।

जोधपुर से भी पुलिस अधिकारियों को बुलाया गया:- उसके बाद शनिवार को सुबह भाटी ने बालोतरा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दे डाली फिर वे दोपहर करीब 12 हजारों कार्यकर्ताओं के साथ बालोतरा एसपी ऑफिस पहुंचे। वहां उन्होंने एसपी कार्यालय का घेराव कर दिया। हालात देखकर वहां अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया। जोधपुर से भी पुलिस अधिकारियों को बुलाया गया। भाटी की फिलहाल एसपी कुंदन कुंवरिया से वार्ता चल रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनके मांगों को नहीं माना गया तो वे जोधपुर में आईजी ऑफिस का घेराव करेंगे।

4 दिन में कार्रवाई के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ। चुनावों के दौरान पकड़ी गई गाड़ियां पुलिस ने तुरंत छोड़ी। भाटी के समर्थकों के साथ मारपीट करने वालों पर पुलिस कार्रवाई करेगी। पुलिस द्वारा पकड़े गये समर्थकों को पुलिस ने रिलीज किया, पुलिस अधीक्षक के साथ वार्ता और आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ।

कार पेड़ से टकराई, तीन की मौत, दो गंभीर घायल

कलिंजरा-बागीदौरा मार्ग पर अनियंत्रित कार पेड़ों से टकराकर कार क्षतिग्रस्त हो गई।

बांसवाड़ा, (निसं)। कलिंजरा-बागीदौरा मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई जिससे तीन युवाओं की मौत हो गयी वहीं दो युवक गंभीर रुप से घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात बजाज फाइनेंस कंपनी के कार्मिक कलिंजरा-बागीदौरा मार्ग से कार में सवार होकर आ रहे थे कि कार अनियंत्रित होकर पेडों से जा टकराई जिससे तीन युवाओं की दर्दनाक मौत हो गयी वहीं दो अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। जिनका जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार कर उदयपुर के लिये रेफर किया गया। इस हादसे में बांसवाडा शहर निवासी कुलदीप कंसारा, जिले के टांडी महुडी निवासी अजय मईडा एवं अब्दुल्ला पीर निवासी शेयांग युसुफ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं कार में ही सवार मोईन निजामुद्दीन व आयुष पांडे रतलाम के गंभीर रुप से घायल होने पर जिला मुख्यालय पर प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया।

भागकर की शादी, फिर प्रेमी पर दुष्कर्म का मामला दर्ज

- पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया

हनुमानगढ़, (निसं)। परिजनों की मर्जी के खिलाफ विवाह करने वाले प्रेमी युगल के अपहरण व मारपीट मामले में नया मोड़ आ गया है। युवती ने कथित प्रेमी के खिलाफ महिला थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। वहीं इससे पहले प्रेमी युवक के पर्चा बयान पर टाउन पुलिस ने बुधवार रात युवती के परिजनों पर एससीएसटी एक्ट, अपहरण, छीनाझपटी, मारपीट आदि धाराओं में मामला दर्ज किया था।

इस मामले में टाउन पुलिस ने शुक्रवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। जांच अधिकारी एससीएसटी सैल सीओ रणवीर साईं ने बताया कि इमीलाल नायक ने पर्चा बयान से मामला दर्ज कराया था कि उसे व उसकी पत्नी को मंगलाराम वगैरह कोलायत से अपहरण कर लाए तथा अपनी ढाणी के पास ले जाकर मारपीट की। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है तथा आरोपी मंगलाराम भाट निवासी वार्ड आठ, 26 एसएसडब्ल्यू फतेहगढ़ हाल जोड़कियां तथा कृष्ण भाट निवासी सालीवाला को गिरफ्तार किया गया है।

दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कृष्ण भाट को जेल भिजवा दिया तथा मंगलाराम का पीसी रिमांड मंजूर करवाया गया। वहीं युवती ने महिला थाने में मामला दर्ज कराया कि संदीप उर्फ इमीलाल निवासी जोड़कियां, पुष्पा पत्नी ओमप्रकाश व ओमप्रकाश निवासी रोड़ांवाली उसे नशीली वस्तु खिलाकर ले गए। संदीप ने उससे दुष्कर्म किया। सीओ साईं ने बताया कि दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करवाने वाली पीड़िता के बयान करवा दिए गए हैं। दोनों प्रकरणों की जांच एससीएसटी सैल सीओ रणवीर साईं कर रहे हैं।

एसीबी के तहसील कार्यालय पर छापे की कार्रवाई

जिला कलेक्टर एवं हल्का पटवारी पर पीसी एक्ट में मुकदमा दर्ज

- भूमि परिवर्तन के लिए 25 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप

दूदू, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के निर्देशन पर जिला कलेक्टर एवं हल्का पटवारी द्वारा भूमि परिवर्तन के लिए मांगी गई 25 लाख रुपए की रिश्वत के प्रकरण में पीसी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर दूदू डाक बंगला जो वर्तमान में जिला कलेक्टर आवास है में देर रात को तहसील कार्यालय पर छापे की कार्रवाई की गई।

ब्यूरो के उपमहानिरीक्षक डॉ रवि के निर्देशन अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह की टीम ने पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। बताया कि परिवादी द्वारा दर्ज शिकायत में आरोप लगाया था कि फर्म के नाम से अजमेर रोड पर 204 बीघा जमीन में से कुछ खसरे तालाब पाल क्षेत्र में होने के कारण परिवर्तन करने की बात को लेकर शिकायत जिला कलेक्टर के यहां की गई थी। जिसके बदले में जिला कलेक्टर हनुमानमल ढाका एवं हल्का पटवारी हंसराज चौधरी द्वारा 25 लाख रुपए की मांग रखी गई। इसके बाद भी परेशान किया गया। परिवादी द्वारा 21 लाख में सौदा तय कर लिया लेकिन परिवादी ने दोबारा सोच कर यह राशि अधिक बताकर 15 लाख में फाइनल कर लिया।

इसके बाद मोबाइल से रिकॉर्डिंग के बाद डाक बंगला दूदू जो वर्तमान में कलेक्टर आवास है पर पर सात लाख पचास हजार रूपए मंगवाए गए ब्यूरो द्वारा प्रारंभिक जांच में जिला कलेक्टर हनुमानमल ढाका एवं पटवारी हंसराज चौधरी द्वारा रिश्वत की मांग करने का सत्यापन कर दोनों के विरुद्ध पीसी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। न्यायालय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर से सर्च वारंट प्राप्त कर जिला कलेक्टर आवास, तहसील कार्यालय दूदू में तलाशी की जाकर रिकॉर्ड खंगाला गया। शनिवार की सुबह जिला कलेक्टर आवास सूना नजर आया।

60 घंटे बाद भी शव लेने नहीं पहुंचे माता-पिता

- दोनों में चल रही है लड़ाई, तबीयत खराब होने से हुई थी मासूम की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के डोजा गांव में 4 साल के एक बच्चे की बीमारी से मौत हो गई। बच्चे की मौत के 60 घंटे से ज्यादा का समय हो चुका है। शव डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में पड़ा है, लेकिन माता और पिता में अनबन के चलते दोनों ही शव लेने को तैयार नहीं हैं। पुलिस दोनों ही पक्ष से समझाइश के प्रयास कर रही है।

वरदा थानाधिकारी ने बताया कि डोजा गांव में बच्चे की मौत की घटना हुई। मसानिया भागेला फला निवासी कांतिलाल डोडियार मीणा का 4 साल का बेटा मौलिक डोडियार अपने मामा जुमकलाल के घर रहता था। साल भर पहले माता-पिता में अनबन के बाद से मौलिक अपनी मां के साथ ही अपने मामा के घर था। 25 अप्रेल की रात के समय 4 साल के मौलिक की तबीयत खराब हो गई। इस पर उसे अस्पताल लेकर गए। जहां से तबीयत ज्यादा खराब होने पर डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए।

डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर आंतरी चौकी से हेड कांस्टेबल संतोष कुमार मौके पर पहुंचे। शव को मॉर्चुरी में रखवाया। शव 60 घंटे से मोर्चरी में रखा है, लेकिन माता और पिता ने अनबन के चलते दोनों ही पक्ष बेटे का शव लेने तक नहीं आए। वहीं बेटे की मौत के बाद मां और पीहर पक्ष के लोग वोट डालने भी गए थे। शनिवार शाम तक पुलिस की समझाइश के बाद परिजन नहीं माने और शव लेने के लिए माता और पिता में से कोई नहीं आया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

मारपीट कर युवक की हत्या

उदयपुर, (निसं)। मौसी के घर मेहमान आए भतीजे की बदमाशों ने मारपीट कर हत्या कर लाश को नाले में फैंक दी। डूंगरपुर जिले के अगडिया फला बलवाड़ा निवासी लोकेश (22) पुत्र भुरालाल गरासिया की अज्ञात हमलावरों ने मारपीट कर हत्या कर दी तथा लाश को नाले में फैंक दिया। 24अप्रेल को लोकेश उदयपुर जिले के पाटिया गांव निवासी अपनी मौसी के यहां पर आया था। 25 अप्रेल को रात में परिवारजनों के साथ खाना खाया एवं 26 अप्रेल सवेरे उसका शव गमेतीफला खेडा घाटी नाले में पड़ा मिला। जिसके सिर पर चोट के निशान पाए गए है। सूचना पर पाटिया थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह राव ने मौके पर पहुंच मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया। जिसका 27 अप्रेल को पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। इस मामले में मृतक के भाई भुराराम ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लोकेश की हत्या कर लाश को नाले में फैकने का प्रकरण दर्ज करवाया है।

उदयपुर में हुआ 66.66 प्रतिशत मतदान, पिछले चुनाव से 3.4 प्रतिशत कम रहा

कांग्रेस-भाजपा में सीधा मुकाबला, हार-जीत का अंतर हो सकता है कम

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर लोकसभा सीट के दूसरे चरण में हुए मतदान में 66.66 प्रतिशत मतदान हुआ जोकि पिछले चुनाव से 3.4 प्रतिशत कम है। मतदान के इन आंकड़ों ने नेताओं की चिंता बढ़ा दी है। पिछले चुनाव में 69.99 प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है। नया राजनीतिक दल भारतीय आदिवासी पार्टी इस सीट पर कोई खास जोड़-तोड़ नहीं कर पाया क्योंकि कांग्रेस और बाप के बीच हुए समझौते के तहत यहां कांग्रेस को समर्थन करना है।

उदयपुर लोकसभा सीट के दूसरे चरण में हुए मतदान को लेकर नेताओं, कार्यकर्ताओं से लेकर जनता में उत्साह और जोश था लेकिन शनिवार को मतदान के अधिकृत आंकड़े सामने आए तो कम वोटिंग ने नेताओं की चिंता बढ़ा दी। सबसे अधिक मतदान झाडोल विधानसभा क्षेत्र में 75.05 जबकि सबसे कम आसपुर विधानसभा क्षेत्र में 62.41 प्रतिशत मतदान हुआ। असल में तीनों दलों की सक्रियता और जिला प्रशासन के जागरूकता अभियान से यह समझ आ रहा था कि मतदान प्रतिशत तो बढ़ेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

नेता और आमजन मतदान प्रतिशत कम होने के सब अपने अपने मायने निकाल रहे हैं। परिणाम चार जून को आने के बाद तस्वीर साफ हो जाएगी कि सांसद किस पार्टी का बनेगा।अधिकृत प्राप्त आंकड़ों के अनुसार गोगुन्दा में 63.35, झाडोल में 75.05, खेरवाडा 63.68, उदयपुर ग्रामीण 69.53, उदयपुर शहर 65.17, सलूम्बर 62.88, धरियावाद 69.35, आसपुर 62.41 प्रतिशत मतदान हुआ ।

पिछले दो चुनावों पर नजर डाले तो यहां वोटिंग कम-ज्यादा रही लेकिन चुनाव भाजपा जीती। 2014 में 65 प्रतिशत वोट पड़े तब भाजपा यहां से करीब 2.36 लाख से जीती थी। वहीं 2019 में 70 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई तब भी भाजपा जीती। भाजपा के अर्जुनलाल मीणा 4.37 लाख वोट से जीतकर दूसरी बार संसद पहुंचे थे। वहीं 2009 के चुनाव में मतदान बहुत कम हुआ था। यहां पर कांग्रेस के रघुवीर सिंह मीणा ने भाजपा के महावीर भगोरा को 1.64 लाख वोट से हराया था।

इस बार वोटिंग 66.66 प्रतिशत रहा जो कि पिछले आंकड़े से भी कम है। वोटिंग कम होने को लेकर दोनों दलों के प्रत्याशी और कार्यकर्ता अलग-अलग कारण मानते है। झाड़ोल में ज्यादा वोटिंग से कांग्रेसी यह कयास लगा रहे हैं कि कांग्रेस उम्मीदवार ताराचंद मीणा ने कलेक्टर रहते मिशन कोटड़ा अभियान चलाया था, उसका फायदा होगा जबकि भाजपा का मानना है कि वहां की जनता ने ज्यादा वोटिंग कर जवाब दिया है।

चुनाव बूथ से 200 मीटर दूर भाजपा के पोलिंग एजेंटों की कुर्सियां जहां दुपहरी में भी भरी होने के साथ भीड़भाड़ दिखाई दी। वहीं कांग्रेस एजेंटों वाली कुर्सियों में सन्नाटा दिखाई दिया। कुछ बूथ तो ऐसे थे वहां एक या दो जने बूथ संभाल रहे थे और बूथ खाली होने से वहां कोई मतदाता भी नहीं दिखे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह नहीं दिखा। शहर जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने कई बूथ देखे थे।भाजपा में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में भी जोश था। पार्टी के युवा मोर्चा की टीम सक्रिय थी। भाजपा के बूथ पर कार्यकर्ताओं की फौज इतनी थी कि बैठने की जगह भी नहीं मिल रही थी। सबसे अहम हर कार्यकर्ता को अलग अलग टास्क दे रखा था। भाजपा ने पूरे प्रबंधन के साथ मतदान के दिन काम किया। जब शाम चार से छह बजे का समय था तब भाजपा के घर से बूथ तक वोटर लाने के लिए बड़े स्तर पर काम किया गया। कई बूथ पर छह बजने से पांच मिनट पहले तक कई मतदाताओं को वोट कराने भेजा।

चुनाव विश्लेषकों के अनुसार चुनाव कोई भी जीते लेकिन इस बार जीत का अंतर कम होगा। इसके पीछे वे बताते हैं कि वोट तीन जगह भाजपा, कांग्रेस और बीएपी में डायवर्ट हुआ है। वे कहते हैं कि बीएपी डूंगरपुर के आसपुर और प्रतापगढ़ के धरियावद में इनके विधायक हैं तो उसका फायदा तो उन्हें होगा। पिछले चुनाव में मतदान का प्रतिशत सबसे ज्यादा होने के पीछे मुख्य कारण राष्ट्रवाद का मुद्दा था, जिसका सीधा असर था और लोग घरों से स्वत: वोट करने निकले थे। अभी इस लोकसभा क्षेत्र में शामिल 8 में से 5 भाजपा के खाते में हैं। एक कांग्रेस और बीएपी के यहां से दो विधायक हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने कन्हैया लाल हत्याकांड को मुद्दा बनाया था। अभी यहां आए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी इस मामले को उठाया था।

मतपेटी जमा कराने के दौरान कार्मिक की तबियत बिगड़ी

डूंगरपुर, (निसं)। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद मतपेटी जमा कराने जाने के दौरान एक कार्मिक कूरीचंद की तबियत बिगड़ गई। जिसे आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान कार्मिक की मौत हो गई। जिसका शव जिला अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया। जिसके बाद पीएम की कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। मृतक शिक्षा विभाग प्रारंभिक में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत था। शनिवार सुबह मृतक के परिजन मोर्चरी पहुंचे तथा मृतक बड़े भाई ने पुलिस का रिपोर्ट देकर बताया कि देवल निवासी 56 वर्षीय कुरीचंद पुत्र मूलचंद कलाल जो कि जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त था।

विधायक ने बीएसएफ के जवान और बीएलओ को धमकाया

शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ का वीडियो वायरल होने से चला घटना का पता

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ का एक वीडियो आज सामने आया है। इस वीडियो के सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

दरअसल शुक्रवार को लोकसभा के चुनाव को लेकर मतदान हो रहा था। इस बीच नाथडाऊ में एक सरकारी विद्यालय पर चल रहे मतदान प्रक्रिया के समय शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ वहां पहुंचे तो लोगों ने उन्हें फर्जी मतदान होने एवं महिलाओं से आधार कार्ड बदलने की बात को लेकर शिकायतें की । इस पर विधायक बाबूसिंह गुस्से से भर उठे। चुनावी बूथ पर ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ के जवान को धमकाने के साथ बूथ के अंदर बैठे बीएलओ को धमकाया। जिसका वीडियो आज वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के साथ ग्रामीण पुलिस हरकत में आई और विधायक बाबूसिंह राठौड़ के खिलाफ इस्तगासा सीआरपीसी में 189 में दर्ज किया है। जिसकी जांच की जाएगी।

वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि विधायक राठौड़ बूथ स्थल के बाहर बीएसएफ के एक जवान को बंदूक दिखाने की बात को लेकर धमका रहे है साथ ही वे बूथ के अंदर एक बीएलओ को भी धमकाते नजर आ रहे है। घटनाक्रम का वीडियो आज वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई और इस्तगासा सीआरपीसी की धारा 189 में दर्ज किया गया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्रसिंह यादव ने बताया कि मुकदमा नहीं हुआ है, 189 में इस्तगासा दर्ज हुआ है। जिसको जांच में रखा गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें वीडियो में यह पता लगा कि राठौड़ ने बीएसएफ जवान का बंदूक नहीं दिखाने के लिए धमकाया है साथ ही बूथ के अंदर बीएलओ से भी उनकी गर्म बहस हुई थी। बाद में लोगों ने बहसबाजी के बीच में राठौड़ को बाहर लेकर गए। वहीं राठौड़ का इसमे कहना था कि बीएसएफ का जवान शराब पीए हुए था। हालांकि बाद में उसे ड्यूटी से हटा दिया गया था।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म

भीलवाड़ा, (निसं)। एक युवती को अच्छी नौकरी दिलाने और बढ़िया सैलरी का झांसा देकर चित्तौड़ से बुलाकर नशीला जूस पिलाकर एक युवक ने उसका दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना उसे वायरल करने की धमकी देकर लगातार पीड़िता से दुष्कर्म करता रहा। इतना ही नहीं युवक ने अपने दोस्तों से रिलेशन बनाने के लिए जब महिला पर दबाव बनाया तो परेशान पीड़िता ने कोर्ट इस्तगासा के द्वारा थाने में आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

मामला शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। थाना प्रभारी सुगन सिंह ने बताया कि कोर्ट इस्तगासा के बाद मामला दर्ज हुआ है। पीड़िता द्वारा दी रिपोर्ट में बताया कि 4 साल पहले वो चित्तौड़ में रहती थी और उसे जॉब की तलाश थी। महिला ने सोशल मीडिया पर अपना एक रिस्यूम पोस्ट किया जिसे देखकर भीलवाड़ा में रहने वाले कुंदन झा ने उसे जॉब और अच्छी सैलरी का झांसा दिया और भीलवाड़ा बुलाया। यहां कुंदन एक मकान में ले गया जहां उसे नशीला पदार्थ मिला जूस पिला दिया और वो बेहोश हो गई। उसकी बेहोशी का फायदा उठाकर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया, जब उसे होश आया तो कुंदन उसके पास ही बैठा था। पीड़िता के नाराज होने पर युवक ने उसका अश्लील वीडियो बताया और किसी को भी इस बारे में बताने पर उसे वीडियो वायरल करने की धमकी दी। उसके बाद कुंदन ने पीड़िता को लगातार इस वीडियो को दिखाकर ब्लैकमेल किया और उसका दुष्कर्म करता रहा। इसके बाद उसने अपने कुछ दोस्तों को युवती के पास लेकर आया और उनसे भी फिजिकल होने का दबाव दबाव बनाया। परेशानी युवती ने कुंदन के खिलाफ इस्तगासा से मामला दर्ज करवाया है। प्रताप नगर पुलिस ने कुंदन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

ट्रोले ने ट्रैक्टर को टक्कर मारी, गेहूं से भरा ट्रैक्टर खाई में गिरा

ट्रैक्टर में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए

पाटन, (निसं)। दो दिन पहले घटी घटना के बाद भी पुलिस को अभी तक कोई सबक नहीं मिला है ,उसी का नतीजा आज फिर देखने को मिला है। घटना नीमकाथाना रोड जीर की चौकी की है, जहां एक तेज गति से जा रहे ट्रॉले ने गेहूं से भरे हुए ट्रैक्टर को टक्कर मार दी, जिससे गेहूं से भरा हुआ ट्रैक्टर ट्रॉली सहित खाई में जा गिरा।

ट्रैक्टर में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों को एंबुलेंस के द्वारा जिला अस्पताल नीमकाथाना में भर्ती करवाया गया। घायल मोनू, चंदगीराम व जयकिशन नीमकाथाना के पास हीरा काली के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जो रायपुर से गेहूं लेकर अपने गांव जा रहे थे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सदर पुलिस ने ट्रॉले को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। लोगों ने बताया कि 24 अप्रैल को पाटन क्षेत्र में एक ओवरलोड ट्रोले ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी थी जिससे तीन पुलिस कर्मियों की मौके पर मौत हो गई थी। इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी क्षेत्र में ओवरलोड वाहन तेज गति से दौड़ रहे हैं। लोगों ने बताया कि अधिकांश वाहन चालक अनुभवहीन है जिस कारण आए दिन दुर्घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन अगर वाहन चालकों की बारीकी से जांच करें तो अधिकांश वाहनों में अनुभवहीन चालक देखने को मिल सकते हैं।

पाटन में टक्कर के बाद गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में जा गिरी।

दूदू कलेक्टर के ऑफिस से लेपटॉप व कई दस्तावेज जब्त किए ए.सी.बी.ने

दूदू जिला कलेक्टर व पटवारी द्वारा भू-रूपांतरण के बदले पच्चीस लाख रुपये की घूस मांगने का मामला

- राज्य सरकार ने कलेक्टर ढाका को शनिवार देर रात एपीओ किया।
- एसीबी ने शुक्रवार देर रात को कलेक्टर और पटवारी हंसराज के सरकारी आवास और तहसील में तलाशी अभियान चलाया था।
- एसीबी की टीम ने कलेक्टर और पटवारी के मोबाइल फोन लेपटॉप व कंप्यूटर जब्त किए।

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने भू-रूपांतरण के बदले पच्चीस लाख रुपये की घूस मांगने के मामले में शनिवार को दूदू जिला कलेक्टर हनुमान मल ढाका के ऑफिस और तहसील से अहम सबूत जब्त किए है। वहीं इस बीच मामले में राज्य सरकार ने कलेक्टर ढाका को एपीओ कर दिया है।

एसीबी के एडीजी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि मामले में आरोपी दूदू जिला कलेक्टर हनुमान मल ढाका के ऑफिस में सर्च कर कई स्टेटमेंट और दस्तावेज एसीबी की टीम ने जब्त किए है। शुक्रवार देर रात को मामले में कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के सरकारी आवास और तहसील में तलाशी अभियान चलाया था। उन्होंने बताया कि केस का नेचर देखते हुए कलेक्टर के निजी आवास पर सर्च की कार्रवाई नहीं की गई। एसीबी की टीमें सबूतों की जांच और अनुसंधान में जुटी हुई है।

सूत्रों के अनुसार एसीबी की टीम ने शनिवार को कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के मोबाइल फोन जब्त किए है। इनकी एफएसएल से जांच करवाई जा रही है। वहीं आज एसीबी की एक टीम सुबह दूदू तहसील कार्यालय पहुंची। जहां एसीबी के अधिकारियों ने पटवारी के कमरे की तलाशी लेकर वहां से कम्प्यूटर व कुछ जरूरी दस्तावेज जब्त किए। वहीं दूसरी टीम ने कलेक्टर हनुमान मल ढाका के ऑफिस में भी सर्च किया। इस दौरान उनका लेपटॉप व दस्तावेज जब्त किए। इससे पहले शुकवार देर रात करीब एक बजे शुरू हुई सर्च की कार्रवाई शनिवार सुबह आठ बजे तक चली।

उधर, एसीबी ने कलक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज को मामले में अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है। एसीबी दोनों से एसीबी पूछताछ कर रही है।

सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में सामने आया कि कलेक्टर व पटवारी घूस लेने के लिए व्हाट्सअप कॉल का इस्तेमाल करते थे। ताकी कभी पकड़े नहीं जा सके और कॉल हिस्ट्री से भी बचा जा सके। लेकिन एसीबी को मालूम चल गया था कि व्हाट्स अप कॉल से यह सारा खेल खेला जा रहा है। इसलिए एसीबी कॉल रिकॉर्डिंग कर रही थी। एसीबी ने कलेक्टर का एक और पटवारी के दो मोबाइल बरामद कर लिए है। अब दोनों के मोबाइल से कई राज खुलेंगे। इसके बाद एसीबी दोनों को नोटिस जारी कर मुख्यालय में पूछताछ के लिए फिर बुला सकती हैं

गौरतलब है कि एसीबी ने दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के यहां शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे छापेमारी की। आरोप है कि भू-रूपांतरण के बदले 25 लाख रुपए घूस मांगी गई थी।

यह था मामला...

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो डीआईजी डॉ. रवि ने बताया कि एसीबी को पीड़ित ने शिकायत दी कि दूदू में उसकी फर्म के नाम से 204 बीघा जमीन है। इसके कुछ खसरे तालाब-पाल क्षेत्र में होने के कारण कन्वर्जन करवाए जाने की शिकायत कलेक्टर के पास की गई थी। उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के बदले दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज ने 25 लाख रुपए मांगे थे। पैसे के लिए परिवादी को परेशान किया जा रहा था। हालांकि पीड़ित ने पैसा नहीं होने का हवाला दिया तो 15 लाख रुपए देने के बदले कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया गया था। एसीबी के सत्यापन के दौरान पीड़ित के साथ रिकॉर्डर भी भेजा गया था। जिसमें यह साबित हो गया कि दूदू कलेक्टर ढाका ने रिश्वत के करीब साढ़े सात लाख रुपए डाक बंगला स्थित अपने आवास पर मंगाए थे। उन्होंने बताया कि पीसी एक्ट के तहत कलेक्टर और पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर छापेमारी की गई है। एसीबी ने कलेक्टर के डाक बंगला स्थित आवास और तहसील कार्यालय दूदू में भी तलाशी ली।

नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण रुचिकर बने : राज्यपाल

- नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

राज्यपाल कलराज मिश्र

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि फैकल्टी डेवलपमेंट के अंतर्गत शिक्षण की बोझिलता को दूर करने के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में जो नवीनतम परिवर्तन हो रहे हैं, उनको सम्मिलित करते हुए नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण को प्रभावी किया जाए।

मिश्र शनिवार को महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा आयोजित फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को पढ़ाना नहीं, उन्हें समय-संदर्भों से जोड़ते हुए शिक्षण को रुचिकर बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखना और सीखाना सतत प्रक्रिया है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए यह प्रयास किया जाए कि शिक्षण विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि सक्षम और प्रभावी शिक्षक ही विद्यार्थियों को भविष्य की नई दिशाएं प्रदान कर सकता है।

मिश्र ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य तकनीक का समावेश करते हुए चिकित्सा प्रशासन, शोधकर्ता की भूमिका आदि से जुड़े कौशल विकसित करने की ओर भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने देश की नई शिक्षा नीति के आलोक में भी फैकल्टी डेवलपमेंट को अद्यतन किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है जिसमें नएपन पर जोर हो। शैक्षिक नवाचारों को जितना अधिक हम अपनाएंगे उतना ही हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलते चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञानार्जन के साथ-साथ शिक्षा जनोपयोगी तभी बनेगी, जब युगीन संदर्भों का समावेश करते हुए उसमें नवाचारों को अपनाया जाए।

इससे पहले राज्यपाल ने उपस्थितजनों को संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पहले नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस के अध्यक्ष डॉ. अभिजीत सेठ ने इस कार्यक्रम की उपादेयता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपाध्यक्ष डॉ. सी. मल्लिकार्जुन ने संकाय विकास के लिए राज्यवार किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया। उपाध्यक्ष डॉ. शिवकांत मिश्र ने सभी का आभार जताया।

सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को हरि ओम जन सेवा समिति राजस्थान द्वारा जीव दया सम्मान पत्र भेंट किया गया। यह सम्मान लघु उद्योग भारती सरना के अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत, हरि ओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल, सौर ऊर्जा वाले चिरंजी लाल कुमावत, पार्षद सुरेश जांगिड़ द्वारा प्रदान किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य प्रशंसा के योग्य है। बेजुबान जानवरों व पक्षियों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य और धर्म का कार्य है। समिति द्वारा पिछले 7 सालों से प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों के लिए मां अन्नपूर्णा भंडारा भी चलाया जा रहा है।

नेट-थियेट पर भजनों की स्वर गंगा बही

जयपुर, (का.सं.)। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज भजन की स्वर गंगा कार्यक्रम में भजन कलाकार गौरव भट्ट ने अपनी मधुर वाणी से भजन की ऐसी सरिता प्रवाहित कि की लोग भक्ति रस में हिलोरे लेने लगे।

नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार गौरव ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सुरदास के भजन प्रभु मेरे अवगुण चित्त ना धरो, समदर्शी प्रभु नाम तिहारो,चाहो तो पार करो सुनाकर भजन की शुरुआत की। इसके बाद मीराबाई का भजन दरस बिना दुखन लागै नैन और फिर गुरुनानक की वाणी काहे रे बन खोजने जाई, सख निवासी सदा अलेपा तोही संगि समाई जैसे भजनों को बड़े ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया और अंत में तुम मेरी लाखों लाज हरि, तुम जानत सब अंतर्यामी, करनी कछु ना करी, सुनाकर श्रोताओं को भजनों की र्स्वगंगा में डुबकी लगवाई।

इनके साथ सितार पर हरिहर शरण भट्ट और तबले पर विजय बानेत ने असरदार संगतकर भजनों की इस सुरीली शाम को भक्तिमय बना दिया कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध उद्घोषक आर डी अग्रवाल ने किया। संयोजक नवल डांगी तथा प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी एवं संगीत सागर गढवाल ने किया।

अब तक 932 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध सामग्री पकड़ी

आचार संहिता लागू होने के बाद से राजस्थान में रिकॉर्ड जब्ती

- 4 जिलों में 40 करोड़ रुपये से अधिक, 9 जिलों में 30 करोड़ और 13 जिलों में 20-20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुएं, नकद राशि जब्त

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर अलग-अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में 932.41 करोड़ रुपये कीमत की जब्तियां की हैं। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन विभाग के निर्देश पर 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 834 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर अलग-अलग एजेंसियां कड़ी निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में प्रदेश भर में लगातार जब्ती की कार्रवाई की जा रही हैं। 1 मार्च से अब तक राजस्थान में 4 जिलों में 40-40 करोड़ रूपये से अधिक, 9 जिलों में 30-30 करोड़ रुपये और 13 जिलों में 20-20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं और नकदी आदि जब्त की गई है।

जिलेवार जब्ती में जोधपुर में 47.03, चूरू में 43.08 गंगानगर में 41.92, भीलवाड़ा में 40.11, जयपुर में 39.18, पाली में 39.10, डूंगरपुर में 38.53, दौसा में 36.75, उदयपुर में 36.25, बाड़मेर में 36.21, झुंझुनूं में 34.74, बीकानेर में 32.97, चित्तौड़गढ़ में 32.44, अलवर में 29.78, टोंक में 29.50, प्रतापगढ़ में 29.43, नागौर में 27.96, हनुमानगढ़ : 25.32, बांसवाड़ा में 24.94, कोटा में 23.43, जालोर में 22.45, धौलपुर में 22.28, राजसमंद में 22.23, अजमेर में 21.91, सिरोही में 20.84, झालावाड़ में 20.49 करोड़ रुपये की जब्ती की है।

गुप्ता ने बताया कि अलग-अलग एजेंसियों की ओर से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, इस वर्ष 1 मार्च से अब तक लगभग 40 करोड़ रुपये नकद, 131.69 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स, 45.72 करोड़ रुपये स्व अधिक कीमत की शराब और लगभग 51.39 करोड़ रुपये मूल्य की सोना-चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है। साथ ही, 662.73 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की अन्य सामग्री तथा लगभग 90 लाख रुपये मूल्य की मुफ्त वितरण की वस्तुएं (फ्रीबीज) भी जब्त की गई हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध वस्तुओं के अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने वाली कार्यकारी एजेंसियों में राज्य पुलिस, राज्य एक्साइज, नारकोटिक्स विभाग एवं आयकर विभाग प्रमुख हैं।

परिवीक्षा काल में किए जे.ई.एन. के तबादले पर रोक

- जब परिवीक्षा काल में तबादला नहीं किया जाता तो याचिकाकर्ता का तबादला क्यों किया गया : अदालत

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने परिवीक्षाकाल में चल रहे जेईएन के तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार सहित पीएचईडी विभाग से जवाब देने को कहा है। अदालत ने पूछा है कि जब परिवीक्षा काल में तबादला नहीं किया जाता तो याचिकाकर्ता का तबादला क्यों किया गया।

जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश शिवानी की याचिका पर दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सामान्य तौर पर राज्य सरकार के हर विभाग के तबादला आदेश में यह नोट डाला जाता है कि यदि कोई कर्मचारी परिवीक्षा काल में है तो उस पर तबादला आदेश प्रभावी नहीं होगा। इसके बावजूद याचिकाकर्ता के तबादला आदेश में इस तरह का कोई भी नोट नहीं डाला गया है।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति दिसंबर 2022 में दो साल के परिवीक्षा काल पर हिंडौन में हुई थी, लेकिन दो साल का प्रोबेशन समय पूरा हुए बिना ही फरवरी 2024 में उसका तबादला गंगापुर कर दिया गया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि प्रोबेशन पीरियड में किसी भी कर्मचारी का ट्रांसफर करने का नियम नहीं है।

घुमन्तु बस्तियों में बहने लगी बदलाव की बयार

जयपुर (कासं)। राजस्थान में खासकर जयपुर जिले में घुमंतू जाति उत्थान न्यास घुमन्तु समाज के सर्वांगीण विकास में जुटा है। कुछ माह अस्तित्व में आए न्यास ने अनेक परोपकारी गतिविधियां संचालिज कर घुमन्तु समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त की है।

घुमंतू जाति उत्थान न्यास के जयपुर महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि न्यास ने राजस्थान की राजधानी की नौ घुमंतु बस्तियों में पुजारी नियुक्त कर रखे है। जो बस्ती के पूजा स्थल पर सुबह-शाम आरती करते हैं। इन सबको पूजन सामग्री न्यास की ओर से उपलब्ध करवाई जाती है। जयपुर की 14 बस्तियों में आरोग्य मित्र नियुक्त किए हुए हैं। ये आरोग्य मित्र छोटी-मोटी बीमारियों की दवा उपलब्ध करवाते हैं।

ए.आई. जरूरी, लेकिन फैसले दिमाग से ही नहीं दिल से भी होते हैं : जस्टिस मिश्रा

- वैकल्पिक वाद निस्तारण की व्यवस्था न्याय प्रणाली में गेम चेंजर की भूमिका निभाएगी : सी.जे.

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा (बायें से तीसरे) ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित एडीआर में तकनीक-भविष्य में नवाचार और चुनौतियां विषय पर आयोजित समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव (बायें से चौथे) , सोलिसीटर जनरल तुषार मेहता (बायें से पहले) , राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा (बायें से पांचवें) और एडवोकेट जनरल राजेन्द्र प्रसाद (दायें) ने भी संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में न्याय व्यवस्था में वैकल्पिक वाद निस्तारण व्यवस्था और तकनीक जरूरी है। तकनीक के चलते लोगों को भौगोलिक बाध्यताओं के बिना कम लागत में न्याय मिल रहा है। जस्टिस मिश्रा राजस्थान हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली को लेकर आयोजित समारोह की कड़ी में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित एडीआर में तकनीक-भविष्य में नवाचार और चुनौतियां विषय पर आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज न्याय व्यवस्था में आर्टिफिशल इंटेलिजेंसी (ए.आई.) जरूरी है, लेकिन सिर्फ एआई से न्याय नहीं मिल सकता, क्योंकि कई बार फैसले दिमाग से ही नहीं दिल से भी दिए जाते हैं।

जस्टिस मिश्रा ने कहा कि एआई तकनीक न्याय दिलाने में सहायक हो सकती है, लेकिन यह मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं ले सकती। मशीन सिर्फ अपनी फाइंडिंग दे सकती है, लेकिन हर फाइंडिंग जजमेंट नहीं होता। एक अमीर व्यक्ति की ओर से की गई चोरी और एक गरीब व्यक्ति की ओर से जीवन जीने के लिए की गई चोरी को एआई एक तरह से ही देखेगी। यदि तकनीक का उचित उपयोग नहीं किया गया तो यह अर्श से फर्श पर भी ला सकती है। दूसरी ओर इसमें साइबर सुरक्षा और डेटा प्रोटेक्शन का खतरा भी रहता है, लेकिन अब ई-अनपढ़ नहीं रहा जा सकता। इसके अलावा वैकल्पिक वाद निस्तारण में वकील की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं हाईकोर्ट के सीजे एमएम श्रीवास्तव ने कहा कि आज निचली अदालतों में करीब चार करोड और हाईकोर्ट ने 65 लाख मामले लंबित हैं। बिना गुणवत्ता कम किए इनका जल्दी निस्तारण करना एक चुनौती है। अब न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग कर मुकदमों का निस्तारण किया जा रहा है और ई-कोर्ट इनका उदाहरण है। हमने कोविड में तकनीक की महत्ता देखी है। ऑनलाइन लोक अदालतों के जरिए हमने बडी संख्या में मुकदमें तय किए हैं। वैकल्पिक वाद निस्तारण की व्यवस्था न्याय प्रणाली में गेम चेंजर की भूमिका निभाएगी। आज प्रदेश में लंबित मुकदमों में एक तिहाई चैक अनादरण के केस हैं। इन मुकदमों और एमएसीटी जैसे मुकदमों को एडीआर के जरिए सुलझाया जा सकता है। हम तकनीक से अधिकतम सहायता ले सकते हैं, लेकिन साथ ही मानव दृष्टिकोण भी रखना पड़ेगा। इस मौके पर जस्टिस पंकज भंडारी ने कहा कि एडीआर मुकदमों के भार के नीचे दबी न्यायपालिका के भार को कम करते हैं। ऑनलाइन वाद निस्तारण से कम लागत में न्याय मिल रहा है। ई-कोर्ट से भी लोगों को न्याय मिल रहा है। हालांकि इसमें क्षेत्राधिकार जैसी कुछ समस्या भी रहती है। वहीं इससे जुडे कुछ कानूनों में भी संशोधन करने की जरूरत है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एआई की सहायता तो ली जा सकती है, लेकिन इसके साथ ही मानव मस्तिष्क का उपयोग भी जरूरी है। एआई सेवक हो सकती है, मालिक नहीं। सेमिनार को गेस्ट ऑफ ऑनर जस्टिस डॉ पुष्पेंद्र भाटी, राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा, एडवोकेट जनरल राजेन्द्र प्रसाद ने भी संबोधित किया।

एसएमएस परिसर में पौधारोपण

जयपुर। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए नर्सिंग ऑफिसर्स ने एसएमएस परिसर में पौधारोपण किया। राजस्थान संविदा नर्सेज प्रदेश संयोजक अभिषेक शर्मा ने बताया कि वन मंत्री के पूरी तरह से स्वस्थ होने तक प्रतिदिन इस अभियान के तहत परिवारजन एवं कार्यकर्ता पौधारोपण करते रहेंगे। इस मौके पर मंत्री पुत्र निकुंज शर्मा, अलवर नगर निगम महापौर घनश्याम गुर्जर,रोहिताश घांगल,रजनीकांत भारद्वाज, हर्षवर्धन तिवाडी, ललित दीक्षित, सियाराम मीणा आदि उपस्थिति रहे।

8 वर्षीय हिमांशु 2 घंटे के लिए बना गांधीनगर थाने का इंचार्ज

थैलेसीमिया से बीमार बच्चे की पुलिस अफसर बनने की इच्छा थी

- बच्चे की इच्छा पूरी करने के लिए उसके पिता ने डरते-डरते यह बात गांधी नगर थानाधिकारी से की तो उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया

जयपुर (कासं)। आठ वर्षीय हिमांशु सैनी 2 घंटे के लिए गांधीनगर थाने का सीआई बना। इस दौरान हिमांशु को पुलिस की वर्दी पहनाई गई और फिर सीआई की कुर्सी पर बैठाया गया और थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ उसकी मुलाकात कराई गई। हिमांशु ने थाने के पुलिसकर्मियों के साथ चाय पी और उनकी ड्यूटी और काम को लेकर कुछ सवाल पूछे। करीब 2 घंटे सीआई की कुर्सी पर बैठने के बाद हिमांशु काफी खुश नजर आया। गांधी नगर सीआई उदयभान यादव ने बताया कि हिमांशु सैनी (8) पुत्र राजू सैनी बांदीकुई का रहने वाला है। हिमांशु को थैलेसीमिया की बीमारी है, जिसके कारण उसे हर महीने जयपुर आना पड़ता है। हिमांशु के पिता ने 1 दिन पहले मुझे बताया कि हिमांशु पुलिस अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन वह काफी बीमार रहता है। अगर उसे एक बार पुलिस की वर्दी पहनने और थाने में आने का मौका दिया जाए तो उसे बहुत अच्छा लगेगा। सीआई ने बताया कि बच्चे की इच्छा जानकार मैंने उसके पिता को शनिवार को हिमांशु को लाने के लिए कहा। इस पर आज शाम 4 बजे हिमांशु का परिवार उसको लेकर थाने लेकर पहुंचा। यहां पर उसे पुलिस की वर्दी पहनाई गई और फिर उसे मैंने अपनी कुर्सी पर बैठाया। हिमांशु सीआई की कुर्सी पर बैठकर बहुत खुश नजर आया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने भी उसका मनोबल बढ़ाने का पूरा प्रयास किया। हिमांशु के पिता राजू सैनी ने बताया कि थाने में पहुंचकर पुलिस की वर्दी पहनना, पुलिसकर्मियों के बीच रहना और सीआई की कुर्सी पर बैठना हिमांशु के लिए सपना सच होने जैसा था। हिमांशु अपनी बीमारी के बारे में जानता है। वह कई बार पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा जाहिर करता है। बच्चे की इच्छा पूरी करने के लिए बड़ी हिम्मत कर गांधीनगर थाने पहुंचा। यहां सीआई उदयभान को हिमांशु की बीमारी के बारे में बताया और उसकी पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा के बारे में भी बताया।

देश की उच्च शिक्षा भारतीय ज्ञान, समृद्ध परंपराओं की संवाहक : प्रो. कोठारी

- बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा पर कार्यशाला आयोजित
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण उच्चतर शिक्षा उपलब्ध कराना है

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तकनीकी शिक्षा में प्रभावी क्रियान्वयन हेतु भारतीय ज्ञान एवं दर्शन, सांस्कृतिक धरोहर एवं संस्कृति आधारित नवीन पाठ्यक्रम को लागू करने की पहल करते हुए बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जनसम्पर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अपेक्षाओं के अनुरूप अपने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान दर्शन, सांस्कृतिक धरोहर, संवैधानिक और वैश्विक मूल्य आधारित सृजनशीलता पर पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम में शामिल करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

इस कार्यशाला में संबद्ध महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों, शिक्षकों विद्यार्थियों एवं विभिन्न उच्च शैक्षिक संस्थानों, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़े हित धारकों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रख्यात शिक्षाविद प्रो. अतुल कोठारी थे। कार्यशाला संयोजक एवं डीन फैकल्टी अफेयर्स डॉ. धर्मेन्द्र यादव ने भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला और कहा कि बीटीयू द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान दर्शन एवं सांस्कृतिक परंपरा के साथ जोड़ते हुए विद्यार्थियों को पुन: भारतीय संस्कृति की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए नवीन पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है। जिससे हमारे प्रदेश के असंख्य युवा लाभान्वित होंगे। डीन अकादमिक अमित माथुर ने सभी का धन्यवाद स्थापित किया।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा पर आयोजित कार्यशाला को मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव प्रो. अतुल कोठारी ने संबोधित किया।

मुख्य अतिथि प्रो. अतुल कोठारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य प्रत्येक विद्यार्थी को ज्ञान केन्द्रित भारतीय मूल्यों से विकसित गुणवत्तापूर्ण उच्चतर शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह भारत को वैश्विक ज्ञान की महाशक्ति बनाकर एक जीवंत और न्याय संगत समाज में बदलने के लिए प्रत्यक्ष रूप से सहयोग करेगी। कुलपति प्रो. अंबरीश शरण विद्यार्थी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा की एक समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि रही है और हमारी संस्कृति का गौरव पूरे विश्व में आज भी प्रासंगिक है। इस दिशा में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनेक अभिनव प्रयास किये जा रहे हैं। यह शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली की चारित्रिक विशेषता पर ध्यान केंद्रित करती है।

विशिष्ठ अतिथि प्रो. विजय कर्ण, नव नालंदा महाविहार, नालंदा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार 2040 तक भारत के लिए एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का लक्ष्य होगा जो कि किसी से पीछे नहीं है। ऐसी शिक्षा व्यवस्था जहां किसी भी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित शिक्षार्थियों को समान रूप से सर्वोच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। डॉ.संदीप गोयल, दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय ने कहा कि प्राचीन भारतीय शिक्षा अपने उद्देश्यों एवं व्यावहारिकता के कारण संसार में अनूठी थी। भारत के पास बौद्धिक अनुसंधान एवं मूल ग्रंथों के धरोहर की एक अत्यंत समृद्ध परंपरा रही है जो कि सदियों पुरानी है।

हाईकोर्ट ने दिया एडमिशन देने का आदेश

हनुमानगढ़, (कासं)। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत नि:शुल्क प्रवेश देने से इनकार के मामले में बालिकाओं व उनके परिजनों को राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर ने राहत दिलाई है। हाइकोर्ट ने बालिका के परिजनों की याचिका में स्थगन आदेश देते हुए संबंधित विद्यालय को छात्राओं की बारहवीं कक्षा तक शिक्षा आरटीई के तहत नियमित रखते हुए नि:शुल्क देने का आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार टाउन में टिब्बी रोड स्थित एसआरएम इंटरनेशनल स्कूल में आरटीई के तहत बालिका मन्नत वर्मा पुत्री श्रवण कुमार वर्मा तथा पूजा पुत्री संसार सिंह को कुछ साल पहले निर्धारित प्रक्रिया के जरिए पहली कक्षा में प्रवेश मिला था। दोनों बालिकाएं नियमित रूप से विद्यालय में पढ़ती रही। आरटीई कानून के तहत प्रारंभ में कक्षा एक से आठवीं तक नि:शुल्क शिक्षा देने का प्रावधान था। बाद में सरकार ने इसमें संशोधन करते हुए यह प्रावधान कर दिया था कि आरटीई के तहत प्रवेशित बालिकाओं को आठवीं पास करने के बाद भी कक्षा नौवीं से बारहवीं तक नियमित रूप से नि:शुल्क शिक्षा मिलेगी। अभिभावक श्रवण वर्मा व संसार सिंह ने बताया कि सरकार के आदेश के बावजूद दोनों बालिकाओं को आरटीई के तहत कक्षा नौवीं में प्रवेश देने से स्कूल प्रबंधन ने मना कर दिया। शुल्क की मांग की गई और प्रवेश नहीं दिया गया।

सार-समाचार

मूटकोर्ट में परिवाद खारिज

विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने मूटकोर्ट में डॉ. राजेश के खिलाफ परिवाद पर निर्णय सुनाया।

बीकानेर, (कासं)। किरण सिरोही बनाम डॉ. राजेश के मामले में न्यायालय उपभोक्ता विवाद परितोष मंच, बीकानेर ने डॉ. राजेश के खिलाफ किए गए परिवाद को खारिज किया गया। यह निर्णय आज ब.ज.सि रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा मंचित मूटकोर्ट के अन्तर्गत सुनाया गया। महाविद्यालय की प्रायोगिक गतिविधि के क्रम में आज इस मूटकोर्ट का आयोजन किया गया। मूटकोर्ट के द्वारा विधि विद्यार्थियों ने एक बारगी न्यायालय का माहौल पैदा कर दिया। मामले को जींवत रूप देने के लिए न्यायाधीश, वकील, स्टेनों, प्रार्थी, अप्रार्थी, गवाह, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तथा अन्य सभी न्यायिक कर्मचारियों की भूमिका विधि विद्यार्थियों के द्वारा निभायी गई। महाविद्यालय में अयोजित मूटकोर्ट में विषेषज्ञ के रूप में महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. राकेश धवन, अधिवक्ता ने विधि विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विधि विद्यार्थियों के द्वारा जो यह प्रयास किया गया है एकबारगी वास्तविक न्यायालय का आभास करवाता है। डॉ. धवन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थी को आगे बढने की प्रेरणा देते है तथा उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं। डॉ. धवन ने इस अवसर पर समस्त स्टाफ तथा मूट कोर्ट के प्रतिभागियों को मूट कोर्ट के सफल आयोजन पर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

महिला सशक्तिकरण पर संगोष्ठी

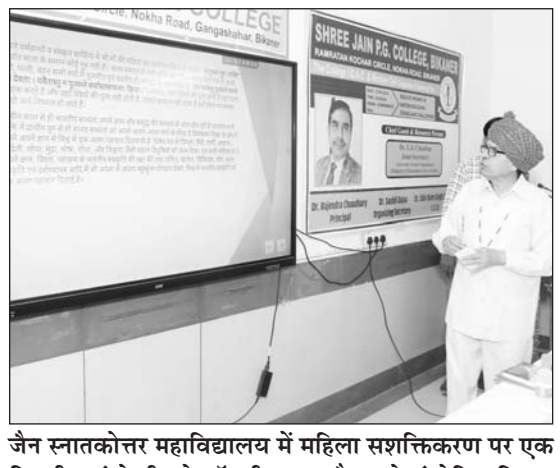

जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण पर एक दिवसीय संगोष्ठी को डॉ. जी. एस. चौहान ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका-कुछ मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. जी.एस. चौहान, संयुक्त सचिव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली, श्री जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष विजय कुमार कोचर, मंत्री, सी.ए. माणक चन्द्र कोचर, सदस्य, किशोर कुमार बांठिया एंव प्राचार्य संध्या सक्सेना श्री जैन कन्या महाविद्यालय उपस्थित थे। सर्वप्रथम महाविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ शिवराम सिंह झाझडिया ने मुख्य वक्ता व अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. जी.एस. चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिला शक्ति के बिना हमारा जीवन कभी भी सफल नहीं हो सकता है। युगों-युगों से भारतीय नारी को सम्मान दिया जाता रहा है। वह साहस, शौर्य, बलिदान, व त्याग का प्रतीक है। नारी का सम्मान सभ्य समाज मे सर्वोपरि माना गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विजय कुमार कोचर ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विद्याता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। कार्यक्रम को आगे बढाते हुवे सी.ए. माणक चन्द्र कोचर ने कहा कि महिलाओं की सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार, समाज ओर राष्ट्र को सशक्त बनाती है। अन्त मे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र चौधरी ने सभी आगंतुकों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सतपाल मेहरा ने की।

मच्छरों को पनपने से रोकें

हनुमानगढ़, (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन से रविवार को अपने-अपने घरों में रूके हुए पानी को नष्ट कर सूखा दिवस (ड्राइंग-डे) मनाने की अपील की है। डेंगू-मलेरिया-जीका-चिकनगुनिया के प्रभाव को रोकने के लिए चिकित्सा विभाग निरंतर आमजन से साफ-सफाई की अपील कर रहा है। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने कहा कि हमें प्रत्येक रविवार को अपने-अपने घरों में रूका हुआ पानी नष्ट कर सूखा दिवस मनाना चाहिए। हमारे घरों में रुके हुए साफ पानी में मच्छरों का लार्वा पनपता है। यह लार्वा मच्छर बनकर डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जीका सहित अनेक बीमारियां फैलाता है। हमें अपने घर से ही इस लार्वा को खत्म करना होगा। यह मच्छरजनित बीमारियों सबसे पहले हमारे घरों से ही पैदा होती है। उन्होंने कहा कि हमें हर रविवार को आधे घण्टे के लिए अपने घरों में जमा पानी को नष्ट करना है ताकि हमारा परिवार डेंगू-मलेरिया से सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि घर के अंदर व आंगन में जहां भी पानी एकत्रित हो रहा है, उसे साफ करें।

भू-वैज्ञानिक टीम ने गड्ढे का हर एंगल से लिया जायजा

- लूणकरनसर के सहजरासर की रोही में जमीन धंसने 70 फीट गहरा और 150 फीट लम्बा गड्ढा हो गया था

लूणकरनसर, (कासं)। लूणकरनसर तहसील के ग्राम सहजरासर की रोही में गत 15 अप्रेल की रात को अचानक जमीन धंसने से बने गड्ढे की जांच के लिए भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग की टीम ने लूणकरनसर क्षेत्र का दौरा किया। जीएसआई के दल ने घटना स्थल का जायजा लिया।

टीम ने घटना स्थल के आस-पास तथा कई अन्य स्थलों का निरीक्षण कर जानकारी ली। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के निदेशक एम श्याम कुमार सिंह व वरिष्ठ वैज्ञानिक देवप्रसाद साहू के साथ तीन सदस्यीय दल ने सहजरासर में जमीन धंसने बने गड्ढे की जगह को हर एंगल से देखा। इस बारे में मौके पर ग्रामीणों से जानकारी ली। सहजरासर गांव के पास स्थित सेजराणा जोहड़, पुराने कुआं समेत कई परंपरागत जलस्त्रोतों को देखा। मौके पर ग्रामीणों से भी कई सालों की भौगोलिक स्थिति को लेकर इनपुट लिए गए। जीएसआई की टीम के साथ स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता राजू चौहान, सरपंच आशी देवी सहित कार्मिक आदि भी मौजूद रहे। निदेशक सिंह ने बताया कि अभी मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। अगले एक-दो दिन में सभी एंगल से जांच के बाद जमीन धंसने के कारणों के बारे में पता चल पाएगा।

सहजरासर गांव की रोही में जमीन धंसने से बने गड्ढे को लेकर एक युवक के गड्ढे में उतरने की सूचना मिलने के बाद अब प्रशासन ने भी सख्ती दिखाई है। उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट राजेन्द्र कुमार ने धारा 144 लगाते हुए गड्ढे बने इलाके में आगामी आदेशों तक बिना अनुमति के प्रवेश करने पर मनाही है। धारा तोडने वालों को पुलिस गिरफ्तार कर कार्रवाई कर सकती है। इसमें धारा तोडने पर दो साल तक की सजा या जुर्माने का भी प्रावधान है।

सहजरासर गांव में 15 अप्रेल को अप्रत्याशित रूप से बने 70 फीट गहरे और 150 फीट लम्बे गड्ढे की जानकारी जैसे ही आमजन को हुई, तो युवा रील बनाने के चक्कर में गड्ढे में उतरने लगे। तब प्रशासन ने सख्ती बरती और 200 मीटर परिधि में तारबंदी करवाकर धारा 144 लागू कर दी और बिना विशेष आज्ञा के इस परिधि के अंदर जाने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। इसके लिए ग्राम पंचायत की ओर से तीन कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई। पुलिस के 2 जवान भी नियुक्त किए गए। इसके बाद भी आमजन प्रतिबंधित क्षेत्र में खुलेआम पहुंच रहा है।

सहजरासर गांव के पास एक खेत में जमीन धंसने के मामले को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि इस जगह करीब सौ साल पहले आकाशीय बिजली गिरी थी। इसी कारण इस जगह को लेकर आम बोचचाल में बिजलखाड के नाम से पुकारते है।

बालिका को बुआ ने ही बेचा था

श्रीगंगानगर, (कासं)। झारखंड की एक मासूम बालिका चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रयासों से सकुशल अपने घर पहुंच गई। बालिका को उसकी बुआ ने ही मानव तस्करी में संलिप्त गिरोह को सौंप दिया था।

गिरोह के लिए काम करने वाला एक युवक बालिका को दिल्ली लाया और उसे एक व्यक्ति को बेच दिया। किसी तरह बालिका वहां से भाग कर श्रीगंगानगर पहुंच गई। जवाहरनगर थाना पुलिस के गश्ती दल को 19 मार्च की रात एसएसबी रोड पर एक रिसोर्ट के बाहर बालिका बदहवासी की हालत में मिली। पुलिस ने चाइल्ड हेल्पलाइन से मदद मांगी तो उन्होंने बाल कल्याण समिति के संपर्क नंबर दिए और रात्रि में बालिका को बाल कल्याण समिति के आदेश से ड्यूटी ऑफिसर रामसिंह शेखावत व जगदेव सिंह ने विवेक आश्रम, मोहनपुरा रोड में आश्रय दिलाया। विवेक आश्रम के अधीक्षक अंकित मित्तल, परामर्शदाता प्रियंका सिंह एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के सदस्यों ने कई दिनों तक काउंसलिंग की। झारखंड के लापता हेल्प डेस्क के प्रभारी मन्नू शर्मा का भी बालिका के परिजनों तक पहुंचने व उनसे संपर्क करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

55 महिलाओं की नसबंदी, सुविधा नहीं

- गर्मी में पानी व कूलर की व्यवस्था भी नहीं थी

नोखा, (कासं)। गर्मी का मौसम आते ही नसबंदी शिविर में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचने लगी हैं, लेकिन अस्पताल प्रबंधन की ओर से पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं करने के कारण महिलाओं को परेशानी हो रही है। तय संख्या से अधिक पंजीयन कर अधिकारी शिविर के माध्यम से लक्ष्य पूरा करने की जुगत में लगे हैं।

नोखा के राजकीय जिला अस्पताल में परिवार नियोजन के तहत नसबंदी शिविर लगाया गया। बीकानेर से आई रुद्राक्ष फाउंडेशन की टीम की ओर से कुल 57 पंजीयन में से 55 महिलाओं के नसबंदी ऑपरेशन किए गए। इस दौरान अस्पताल में लापरवाही और अव्यवस्थाएं देखने को मिली। नसबंदी ऑपरेशन कराने के लिए शहर व ग्रामीण क्षेत्र से महिलाएं सुबह से ही अस्पताल पहुंचने लगी थीं। महिलाओं के लिए अस्पताल में बैठने की उचित व्यवस्था भी नहीं थी। महिलाएं अस्पताल की गैलेरी में फर्श पर बैठी रहीं। उनके परिजन और बच्चे भी फर्श पर बैठे दिखाई दिए। गैलेरी में बैठने के लिए कुर्सी, बेंच लगाना, तो दूर दरियां तक नहीं बिछाई गई। गर्मी में पंखे, कूलर और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी।

ऑपरेशन के बाद महिलाओं को व्हील चेयर पर बैठाकर उनके परिजन ही वार्ड में ले जाकर शिफ्ट कर रहे थे। वहां बेड पर बैडशीट नहीं थी। बिना बैडशीट बिछाए ही ऑपरेशन वाली महिलाओं को लेटाया जा रहा था। वार्ड में भी पंखे व कूलर की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से गर्मी में महिलाएं कपड़े से हवा करती नजर आई। अव्यवस्था के बीच ही महिलाओं के नसबंदी पर भी सवाल खड़ा हो गया है।

शिविर में नसबंदी ऑपरेशन करने के बाद महिलाओं को वार्ड में शिफ्ट करने के लिए स्ट्रेचर पर लेटाकर नहीं ले जाया गया, बल्कि बेहोशी की हालत में ही महिला को व्हील चेयर पर ही बैठाकर ले जाया जा रहा था। कुछ महिलाओं को तो उनके परिजन व्हील चेयर पर बैठाकर वार्ड में शिफ्ट करते देखे गए।

सड़क किनारे मलबा डालने से हादसे का खतरा

गजसिंहपुर, (कासं)। भारत माला सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अब आस-पास जगह पर मलबा गिराने का कार्य शुरू कर दिया है।

रायसिंहनगर-गजसिंहपुर सडक़ मार्ग पर घरों व ईंट भट्टों का मलबा गिराकर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा रहे हैं। प्रशासन भी आंखों के सामने यह सब हो रहा है लेकिन इसके बावजूद भी कोई कार्रवाही नहीं की जा रही है। ऐसा नहीं कि यह मलबा एक दो जगह पर पडा॰ हुआ है।

जबकि हालात ये है कि रायसिंहनगर-गजसिंहपुर सड़क मार्ग पर हर जगह-जगह मलबा गिराने का कार्य किया जा रहा है। जिससे वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इन मलबे के कारण कई बार दुपहिया वाहन चालक हादसे का शिकार हो जाते है।

मोटरसाइकिल सवार रायसिंहनगर की तरफ जा रहा था कि सड़क के किनारे ईंटों के टुकड़े पड़े हुए थे। सामने से रोडवेज बस आने के कारण इधर उधर नहीं कर सका और संतुलन बिगडने से मोटरसाइकिल गिर गया। इसके बाद आस पास लोगों ने युवक को संभाला। इस हादसे में युवक को अधिक चोटें नहीं लगी लेकिन मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई।

विवाहिता ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप

हनुमानगढ़,(कासं)। एक विवाहिता ने छेड़छाड़ करने के आरोप में महिला पुलिस थाना में एक जने के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।

पुलिस के अनुसार एक विवाहिता ने रिपोर्ट दी कि वह करीब पांच बजे कोर्ट परिसर में तारीख पेशी के बाद घर जाने के लिए रवाना हुई। तभी महावीर पुत्र बलराम सुथार निवासी किशनपुरा दिखनादा अपनी बाइक पर आया और कोर्ट परिसर में उसके आगे बाइक रोककर गंदे इशारे किए व छेड़छाड़ की। अधिवक्ताओं को आता देखकर महावीर वहां से भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक साथ उठी 6 अर्थियां, नहीं गांव में जले चूल्हे

अनूपगढ़, (कासं)। अनूपगढ़ रोड पर समेजा कोठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सलेमपुरा के पास शुक्रवार को एक सड़क हादसे में 6 की मौत हो गई। शनिवार को शव गांव किकरवाली पहुंचे, जहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। जब गांव से एक साथ छह लोगों की अर्थियां उठीं तो ग्रामीणों की आंखें नम हो गई।

घटना के बाद किकरवाली गांव में दूसरे दिन भी मातम पसरा रहा। शवों को जैसे ही अंत्येष्टि के लिए ले जाया गया, गांव में कोहराम मच गया।शनिवार दोपहर तक सभी मृतकों का दाह संस्कार किया गया।

गौरतलब है की मृतक हेतराम अपनी पत्नी व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गाड़ी किराये पर लेकर अनूपगढ़ के गांव 86 जीबी में अपने बहनोई की मौत पर शोक व्यक्त करने गए हुए थे। शोक व्यक्त करने के बाद सभी लोग वापस किकरवाली आ रहे थे। लेकिन सलेमपुरा के पास गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। हादसे में कार ड्राइवर ने भी दम तोड़ दिया था।

पुलिस ने शवों को राजकीय चिकित्सालय समेजा कोठी व चालक के शव को अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल में रखवाया। हादसे में किकरवाली निवासी हेतराम (45) पुत्र हनुमान, उनकी पत्नी सुनीता(42), मृतक हेतराम की चाची लिछमा देवी (55) पत्नी कृष्ण लाल, भाभी विद्या देवी (40) पत्नी देवीलाल, भाभी कलावती देवी (48) पत्नी हंसराज और चालक रमेश नाई (38) पुत्र शंकर लाल की मौत हो गई थी। वहीं हादसे में घायल कांता पत्नी मदनलाल का श्रीगंगानगर में उपचार जारी है। एक ही गांव के चार घरों से 6 अर्थियां एक साथ निकलीं। मृतक हेतराम, सुनीता और हेतराम की भाभी कलावाती की अर्थी एक घर से निकली।

राज्यपाल कलराज मिश्र कल बी.टी.यू. के दीक्षांत समारोह में करेंगे शिरकत

- प्रस्तावित रूट में साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर बीकानेर आयेंगे। मिश्र बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे।

मिश्र के दौरे की तैयारी को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिला कलेक्टर ने इसके बाद पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम और अन्य अधिकारियों के साथ राज्यपाल के प्रस्तावित रूट तथा कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।

कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल मिश्र सोमवार प्रात: 11:15 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा यहां से प्रस्थान कर प्रात: 11:35 बजे सर्किट हाउस आएंगे। श्री मिश्र प्रात: 11:50 बजे यहां से बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के लिए प्रस्थान करेंगे तथा द्वितीय दीक्षांत समारोह में शिरकत के पश्चात दोपहर 1:55 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे।

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि व पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने राज्यपाल कलराज मिश्र के कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।

राज्यपाल मिश्र सायं 4:20 बजे सर्किट हाउस से प्रस्थान कर नाल एयरपोर्ट जाएंगे। जहां से सायं 4:40 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यपाल मिश्र के दौरे से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी, उन्हें आवंटित कार्य समय रहते पूर्ण कर लें तथा यह सुनिश्चित करें कि राज्यपाल के कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

जिला कलेक्टर ने राज्यपाल मिश्र के प्रस्तावित रूट में साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश, निकास, बैठक, छाया, पानी, माइक, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, मंच और सुरक्षा सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने सर्किट हाऊस में भी आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा। जिला कलेक्टर ने कहा कि विश्वविद्यालय के अधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारियों से समन्वय रखें और सुनिश्चित करें कि व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहे।

हिमेटोलॉजी सिंपोजियम, पहले दिन 125 डॉक्टर्स ने भाग लिया

- लड बैंक, पैथोलॉजी, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, वर्कशॉप में डॉक्टर्स ने प्रशिक्षण लिया

बीकानेर, (कासं)। आचार्य तुलसी कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की ओर से दो दिवसीस हिमेटोलॉजी सिंपोजियम सेमिनार के तहत पहले दिन सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज प्रेस कांफ्रेस का आयोजन किया गया।

आयोजन समिति के सचिव डॉ. पंकज टांटिया ने बताया कि शनिवार को ब्लड बैंक, पैथोलॉजी, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, पीडिया वर्कशॉप में कुल 125 डॉक्टर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त कर बोनमेरा ट्रांसप्लांट, स्टेमसेल कलेक्शन, ब्लड डिसऑर्डर सहित अनेक नवीन जानकारीयां प्राप्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. नवरंगलाल महावर, डॉ. टी.डी. अग्रवाल, डॉ. मोहम्द साबिर, डॉ. पीसी खत्री, डॉ. अरूण भारती, तथा डॉ. लोकश शर्मा ने की।

इस सेमिनार के दौरान प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ऑरल पेपर प्रजेंट किये गये जिसका मूल्यांकन आयोजन समिति की संयुक्त सचिव डॉ. आयुषी श्रीवास्तव ने किया। ब्लड बैंक वर्कशॉप डॉ. अरूण भारती की अध्यक्षता में, पैथोलॉजी वर्कशॉप डॉ. एस. पी. व्यास की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सेमिनार के दौरान डॉ. सुरेन्द्र बेनिवाल का मार्गदर्शन रहा। इस सेमिनार का आब्जर्वेशन राजस्थान मेडिकल काउंसिल से डॉ. संजीव बुरी का रहा, जिन्होंने अपने स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. पंकज टांटिया ने सेमिनार में प्रशिक्षण दिया।

सचिव डॉ. पंकज टांटिया के कुशल प्रबंधन की सराहना की ओर कहा कि हिमेटोलॉजी सिंपोजियम सेमिनार का बेहतरिन संचालन हो रहा है। आयोजन समिति के सचिव डॉ. पंकज टांटिया ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को राष्ट्रय स्तरीय कान्फ्रेंस भागीदारी करने हेतु पुरे देश से लगभग 350 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हो चुके है, जो गुजरात, कर्नाटक, रेवाडी, पंजाब, चंडीगढ, नई दिल्ली, सहित राजस्थान के सभी जिलों से प्राप्त हुए है।

टोक्यो ओलंपिक खेलों में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हम में से हर कोई इसमें केवल भाग लेने के लिए नहीं जा रहा है। हम पदक जीतने की मानसिकता के साथ वहां जा रहे हैं। -तजिन्दर पाल तूर

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता, भारतीय एथलीटों के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ऋषभ पंत

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में ऋषभ पंत को एकमात्र विकेटकीपर के रूप में चुना है जबकि वह बायें हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को आक्रमण में एक नया आयाम जोड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की जिम्मेदारी सौंपना चाहते हैं। जहीर का सबसे दिलचस्प चयन 26 वर्षीय दयाल का रहा जो घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश और इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करते हैं। जहीर ने अपनी टीम चुनते समय मोहम्मद शमी की चोट को भी ध्यान में रखा है।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड के वाल्ट हैंड पहले क्रिकेटर थे जिन्होंने 100 कैच पकड़े, उन्होंने 1939 में वेस्टइंडीज के जॉर्ज हैडली का कैच पकड़कर यह उपलब्धि हासिल की।

फ्रेजर ने खेली ताबड़तोड़ पारी

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली और मुंबई के बीच आईपीएल 2024 का मुकाबला खेला जा रहा है। जहां दिल्ली कैपिटल्स पहले बल्लेबाजी कर रही है। वहीं जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों की जमकर

धुनाई की, उन्होंने पॉवरप्ले में जसप्रीत बुमराह से लेकर हार्दिक पंड्या, किसी को नहीं छोड़ा। उन्होंने चौथे ही ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया, ये कारनामा उन्होंने महज 15 गेंदों में किया। वह एक खास रिकॉर्ड बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। जैक फ्रेजर क्रिस गेल के सबसे तेज शतक को तोड़ने के बेहद करीब थे, लेकिन उनकी इस ताबड़तोड़ पारी का अंत पीयूष चावला ने कर गेल का रिकॉर्ड बचा लिया। लेकिन इस पारी में भी जैक ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया जो पहले किसी ने नहीं बनाया। जैक की ये इस सीजन की दूसरी सबसे तेज अर्धशतकीय पारी है। हालांकि, वह आज भी यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए, जायसवाल ने पिछले सीजन 13 गेंदों में फिफ्टी जड़ी थी। फ्रेजर ने 2 बार 15 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा है। वह सबसे कम गेंदों पर 2 अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

अगर विराट पारी का आगाज करते है तो भारत रिंकू और शिवम दोनों को अंतिम एकादश में खिला सकता है : पठान

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। पूर्व आल राउंडर इरफान पठान ने शुक्रवार को कहा कि अगर विराट कोहली कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हैं तो आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत की अंतिम एकादश में रिंकू सिंह और शिवम दुबे जैसे 'पावर हिटर' फिनिशर के लिए जगह बन सकती है। भारत के 2007 टी20 विश्व कप के विजयी अभियान के नायक रहे पठान ने हालांकि कहा कि ऐसा करने से विकल्प सिर्फ पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों तक सीमित हो जाएगा। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स पर 'प्रेस रूम शो, टिकट टू वर्ल्ड कप' में कहा, ''भारतीय पारी का आगाज करने के लिए यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा होने चाहिए और ऐसा सिर्फ सिर्फ दायें हाथ और बायें हाथ के संयोजन के कारण है। जायसवाल का अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइक रेट 160 का है और आपको इसकी जरूरत है।'' लेकिन पूर्व कप्तान कोहली के साथ पारी का आागज करने के भी अपने फायदे होंगे। उन्होंने कहा, ''अगर विराट बल्लेबाजी की शुरुआत करते हैं तो 11 खिलाड़ियों का संयोजन एक निश्चित तरीके से बन जायेगा जैसा आप चाहते हो। अगर ऐसा होता है तो आप शिवम दुबे को खेलते हुए देख सकते हैं बशर्ते वह टीम में हो।''

16वीं सब जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चैम्पियनशिप शुरू

देहरादून, 27 अप्रेल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित बहुउद्देशीय हॉल में रोल बाल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित 16वीं सब जूनियर (अंडर-14) बॉयज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया। धामी ने उत्तराखंड तथा हिमाचल के मध्य आयोजित मैच का आनंद लिया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इससे पहले उन्होंने सभी खिलाड़ियों का परिचय लिया तथा खेल के क्षेत्र में देश व प्रदेश का नाम रोशन करने का आ ान किया। इस अवसर पर, नेशनल रोल बाल चैंपियनशिप के प्रेसिडेंट पंकज भारद्वाज, सेकेट्री चिरतानजी नेगी, अमित भाटिया, आशीष नेगी, डॉ. वरुण प्रताप सिंह, प्रियांक शर्मा, प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

जहीर ने 20 के लिए एकमात्र विकेटकीपर पंत को चुना

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में ऋषभ पंत को एकमात्र विकेटकीपर के रूप में चुना है जबकि वह बायें हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को आक्रमण में एक नया आयाम जोड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की जिम्मेदारी सौंपना चाहते हैं। जहीर का सबसे दिलचस्प चयन 26 वर्षीय दयाल का रहा जो घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करते हैं। जहीर ने अपनी टीम चुनते समय मोहम्मद शमी की चोट को भी ध्यान में रखा है।जहीर ने 'जियो सिनेमा' से कहा, '' यश दयाल का स्थान 'फ्लोटिंग स्पॉट' (अस्थायी) होगा क्योंकि मोहम्मद शमी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। '' उन्होंने कहा, ''वह एक ऐसा गेंदबाज है कि अगर आप कभी भी किसी को गेंदबाजी के लगाना चाहते हैं तो उसे इस्तेमाल किया जा सकता है जैसे अगर सिराज की फॉर्म सही नहीं है। '' उन्होंने संजू सैमसन, केएल राहुल और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों को नजरअंदाज करते हुए दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत को अपनी टीम में एकमात्र विकेटकीपर के रूप में चुना। जहीर ने कहा, ''पंत मेरे एकमात्र विकेटकीपर हैं। मैंने चार तेज गेंदबाज लाने को अधिक महत्व दिया है। आप दूसरे विकेटकीपर के लिए एक तेज गेंदबाज की बलि नहीं देना चाहेंगे। आपके पास केएल राहुल, संजू सैमसन जैसे विकल्प हैं और कई लोग दिनेश कार्तिक को देखना चाहते हैं। '' उन्होंने कहा, ''इस समय हम महेंद्र सिंह धोनी के स्ट्राइक रेट के कारण उन पर भी विचार कर सकते हैं! अगर आप एक महीने तक चलने वाले टूर्नामेंट के लिए एक टीम बना रहे हैं तो'रिजर्व' खिलाड़ी के तौर पर आपका विकेटकीपर हो सकता है।''

राजस्थान की 9 मैचों में 8 वीं जीत, लखनऊ को 7 विकेट से हराया

राजस्थान की तरफ से संजू सैमसन ने नाबाद 71 और जुरेल ने 52 रन की नाबाद पारी खेली

लखनऊ, 27 अप्रेल। आईपीएल में 17वें सीजन की टेबल टॉपर राजस्थान रॉयल्स ने एक और जीत दर्ज कर ली। टीम ने लखनऊ सुपरजायंट्स को उन्हीं के होमग्राउंड पर 7 विकेट से हरा दिया। कप्तान संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल ने राजस्थान से फिफ्टी लगाईं। दोनों ने चौथे विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप कर लखनऊ के हाथ से मैच निकाला।

शनिवार को इकाना स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए। केएल राहुल ने 76 और दीपक हुड्डा ने 50 रन बनाए। राजस्थान से संदीप शर्मा ने 2 विकेट लिए।

राजस्थान ने 19 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 199 रन बना लिए। सैमसन 71 और जुरेल 52 रन बनाकर नॉटआउट रहे। सैमसन ने ही छक्का लगाकर टीम को जीत भी दिलाई। लखनऊ से यश ठाकुर, मार्कस

स्टोयनिस और अमित मिश्रा ने 1-1 विकेट लिया।

9 मैचों में 8वीं जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स पॉइंट्स टेबल के टॉप पर कायम है। टीम के 16 पॉइंट्स हैं। उनसे नीचे 4 टीमें 10-10 पॉइंट्स लेकर दूसरे से पांचवें नंबर पर मौजूद है। लखनऊ की 9 मैचों में चौथी हार रही, टीम 5 जीत के बाद 10 पॉइंट्स लेकर चौथे नंबर पर है।

दिन के पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 10 रन से हराया। दिल्ली ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 257 रन बनाए। मुंबई ने भी कड़ी टक्कर दी लेकिन टीम 247 रन ही बना सकी।

राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने 3 विकेट गिरने के बाद टीम को संभाला। उन्होंने टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया और ध्रुव जुरेल के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप भी कर ली। सैमसन ने मोहसिन खान के खिलाफ छक्का लगाकर 29 बॉल पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। उनके बाद ध्रुव जुरेल ने भी 31 बॉल पर अर्धशतक लगाया। रियान पराग 11 बॉल में 14 रन बनाकर अमित मिश्रा का शिकार हुए। पराग ने इससे पहले मिश्रा के खिलाफ लॉन्ग ऑन की दिशा में छक्का लगाया था।

तीरंदाजी कप : ज्योति ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई

शंघाई, 27 अप्रेल। एशियाई खेलों की चैम्पियन ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शानदार प्रदर्शन के बूते शनिवार को यहां शंघाई में चल रहे तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक बनाकर भारतीय दबदबे की अगुआई की। दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी ज्योति ने सत्र के शुरूआती वैश्विक टूर्नामेंट में मेक्सिकों की शीर्ष वरीय आंद्रिया बेसेरा को शूट-ऑफ में 146 146 (9-9) से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। ज्योति ने इस तरह पिछले साल हांगझोऊ एशियाड की उपलब्धि की बराबरी की जिसमें विजयवाड़ा की 27 वर्षीय तीरंदाज ने व्यक्तिगत, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगाई थी। सुबह के सत्र में भारत ने गैर-ओलंपिक कंपाउंड तीरंदाजी में अपना दबदबा बनाते हुए टीम स्पर्धाओं में क्लीन स्वीप करते हुए स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी तथा पुरुष टीम, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा जीतीं। इनमें से दो में ज्योति टीम का हिस्सा रहीं। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की तिकड़ी ने महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा ने इटली को 236.225 से हराया। भारतीय तिकड़ी ने 24 तीरों में सिर्फ चार अंक गंवाये और छठी वरीयता प्राप्त इटली को बड़े अंतर से हराकर स्वर्ण पदक से खाता खोला। पुरूष टीम में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश एफ ने नीदरलैंड को 238.231 से मात दी।

मयंक यादव ने नेट में गेंदबाजी शुरू की, पूर्ण मैच फिटनेस हासिल करने के करीब

लखनऊ, 27 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग के पहले दो मैच में अपनी रफ्तार से क्रिकेट जगत में तलहका मचाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पेट के निचले हिस्से में चोट के कारण लगभग तीन सप्ताह के आराम के बाद नेट में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के सहायक कोच श्रीधरन श्रीराम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफआईपीएल मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि वह फिर से खेलने के करीब हैं। दिल्ली के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज ने लगातार तीन तीन विकेट लिए और लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पार करके सभी को हैरान कर दिया। लेकिन तीसरे ही मैच में चोटिल हो गये। वह 'साइड स्ट्रेन' के कारण पूरे रणजी ट्राफी सत्र में नहीं खेले थे। श्रीराम ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''वह आज नेट में गेंदबाजी कर रहा है। इसलिए हम देखेंगे कि वह आज के बाद कैसे गेंदबाजी करता है। वह फिर से खेलने के काफी करीब है। इसकी उम्मीद है। '' श्रीराम ने कहा, '' मैंने पिछले लगभग एक महीने से उनके साथ काम किया है। वह बहुत परिपक्व लगता है और वह अपने शरीर को अच्छी तरह से जानता है जो एक युवा तेज गेंदबाज के लिए बहुत अच्छी बात है।

पीजीडीएवी कॉलेज ने जाकिर हुसैन कॉलेज को 233 रनों से हराया

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। श्रेष्ठ यादव के तूफानी शतक और उसके बाद घातक गेंदबाजी की बदौलत पीजीडीएवी (प्रात:) कॉलेज ने द्वितीय स्वामी दयानंद सरस्वती डे-नाइट टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में जाकिर हुसैन कॉलेज को 233 रनों से रौंद दिया। जाकिर हुसैन कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीजीडीएवी (प्रात:) कॉलेज ने 2 विकेट पर 272 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पीजीडीएवी कॉलेज की ओर से श्रेष्ठ पी. यादव ने सिर्फ 70 गेंदों में 172 रनों की शतकीय पारी खेली। 273 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जाकिर हुसैन कॉलेज की टीम को पीजीडीएवी कॉलेज के गेंदबाजों ने 7.2 ओवर में 39 रन ढ़ेरकर मुकाबला जीत लिया । पीजीडीएवी कॉलेज की ओर से गौरव मेहरा ने 7 रन देकर 3 विकेट लिए। पीजीडीएवी (प्रात:) कॉलेज के श्रेष्ठ पी. यादव को प्रमोद सेठी, कुलवीर गहलोत और विपिन त्यागी द्वारा प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

भारतीय एथलीट खुद को दुनिया के शीर्ष एथलीटों से कम नहीं समझते : तूर

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। भारतीय के शीर्ष गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर का मानना है कि तोक्यो ओलंपिक में विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक से भारतीय खिलाड़ियों का 'विश्वास बढ़ा' है और वे खुद को 'शीर्ष वैश्विक एथलीटों से कम नहीं' समझते हैं।

दो बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तूर ने कहा कि चोपड़ा की उपलब्धि के बाद मानसिकता में आए बदलाव ने भारतीय एथलीटों को विश्वास दिलाया है कि वे पेरिस ओलंपिक में सिर्फ भाग लेने के लिए नहीं बल्कि जीतने के लक्ष्य के साथ जा रहे हैं। तूर ने शनिवार को यहां 'टीसीएस विश्व 10के बेंगलुरु' की पूर्व संध्या पर आयोजित एक पैनल चर्चा में कहा, '' तोक्यो ओलंपिक खेलों में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हम में से हर कोई इसमें केवल भाग लेने के लिए नहीं जा रहा है। हम पदक जीतने की मानसिकता के साथ वहां जा रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आज मानसिकता में बदलाव आया है। हम अपने आप को उन शीर्ष वैश्विक एथलीटों से कम नहीं समझते जिनके साथ हम प्रतिस्पर्धा करते हैं। विश्व चैंपियनशिप के नतीजों को देखें, हमारे पास नीरज और किशोर जेना पोडियम पर थे। हमारे पास डीपी मनु भी थे। वह इसी स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे थे।'' चर्चा में 27 बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी, शीर्ष निशानेबाज तेजस कृष्ण प्रसाद, स्क्वाश स्टार जोशना चिनप्पा, पूर्व अंतरराष्ट्रीय एथलीट और अर्जुन पुरस्कार विजेता अश्विनी नचप्पा भी शामिल थे।

भारतीय क्रिकेट को हार्दिक पंड्या को इतनी तवज्जों नहीं देनी चाहिए : इरफान पठान

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में हार्दिक पंड्या को इतनी प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए क्योंकि वह आईसीसी टूर्नामेंट में प्रभावित करने में विफल रहे हैं। मुंबई इंडियंस का यह आलराउंडर इस आईपीएल सत्र में खराब फॉर्म से जूझ रहा है जिससे उनके भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने पर सवाल उठ रहे हैं। टीम की घोषणा जल्द ही की जानी है।

पठान ने स्टार स्पोर्ट्स पर 'प्रेस रूम शो, टिकट टू वर्ल्ड कप' में कहा, ''हार्दिक पंड्या के बारे में कहूं तो भारतीय क्रिकेट को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि उन्हें उतनी प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए जितनी उन्होंने अब तक दी है। क्योंकि हमने अभी तक (उनकी मौजूदगी में) विश्व कप नहीं जीता है। '' उन्होंने कहा, ''अगर आपको लगता है कि आप एक मुख्य आलराउंडर हैं तो आपको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस तरह का प्रदर्शन करना होगा। जहां तक आलराउंडर का सवाल है तो उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस तरह से प्रभावित नहीं किया है। हम सिर्फ उसकी क्षमता के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन में काफी बड़ा अंतर है तथा उन्होंने पंड्या को टूर्नामेंट चुनने के बजाय पूरे साल खेलने की सलाह दी। पठान ने कहा, ''हम आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बीच भ्रमित हो रहे हैं। दोनों में काफी अंतर है। सबसे पहले तो उसे पूरे साल खेलना होगा। वह चुनकर टूर्नामेंट नहीं खेल सकता। '' उन्होंने कहा, ''भारतीय क्रिकेट को ऐसा करना बंद करना होगा। किसी एक खिलाड़ी को तवज्जो देना बंद करें क्योंकि अगर आप ऐसा करोगे तो आप बड़े टूर्नामेंट नहीं जीत सकते। '' पठान ने कहा, ''आस्ट्रेलिया इतने वर्षों से 'टीम गेम' को प्राथमिकता दे रहा है। हर किसी को सुपरस्टार बना रहा है, उनकी टीम कोई एक सुपरस्टार नहीं, टीम में हर कोई सुपरस्टार है।

अब लगता है कि टी-20 में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है : करन

कोलकाता, 27 अप्रेल। टी20 क्रिकेट इतिहास में सर्वश्रेष्ठ रन चेज का रिकार्ड बनाने वाली पंजाब किंग्स के कप्तान कप्तान सैम करन ने कहा कि अविश्वनीय मगर हकीकत में इस जीत को देख कर लगने लगा है कि अब छोटे फार्मेट के क्रिकेट में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होने कहा के लिये वह पूरी टीम को विशेषकर जॉनी ब्रेयस्टो और शंशांक को इस जीत का श्रेय देना पसंद करेंगे। दोनो ने असाधारण खेल का प्रदर्शन किया और एक विश्वनीय लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया। ऐसा लग रहा है कि टी20 क्रिकेट बेसबॉल में तब्दील हो गया है। पंजाब के कप्तान ने कहा कि खराब फार्म से जूझ रहे ब्रेयस्टो के लिये यह मैच उनके आत्मविश्वास को वापस लाने वाला था। लियम लिविंगस्टन की जगह पर आए ब्रेयस्टो ने 48 गेंदों पर आठ चौके और नौ छक्कों की मदद से 108 रनों की नाबाद पारी खेली और अपनी टीम को एक रिकॉर्ड जीत दिलाई इस बीच ब्रेयस्टो ने कहा मैं इससे पहले कभी ऐसे मैच में नहीं रहा, जब एक पारी में 260 रन बने हो। जब गेंद आपके पाले में आती है तो आपको प्रहार करना ही होता है और मैने ऐसा ही किया। करन ने शशांक सिंह की तारीफ करते हुये कहा वह हमारे लिए इस सीज़न की खोज रहे हैं। उन्हें इस मैच में नंबर चार पर भेजकर एक अतिरिक्त ज़िम्मेदारी दी गई थी, जिसे उन्होंने बख़ूबी निभाया। वह और आशुतोष शर्मा इस साल अविश्वसनीय रहे हैं और मैं दोनों के लिए बहुत ख़ुश हूं। शशांक ने मात्र 28 गेंदों पर नाबाद 68 रन बना कर केकेआर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले नेपाल ने वेस्टइंडीज को दी मात

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम नेपाल दौरे पर है, जहां टीम का आगमन ही चर्चा में रहा। दरअसल, वेस्टइंडीज टीम को अपना सामान एयरपोर्ट के बाहर एक छोटे टेम्पो पर रख कर ले जाना पड़ा। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं नेपाल ने वेस्टइंडीज की टीम को हरा दिया, जबकि मेहमान टीम ने 205 रनों का विशाल लक्ष्य नेपाल को दिया था। रोस्टन चेस की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए थे। कप्तान चेस ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए, 46 गेंदों में खेली इस पारी में उन्होंने 2 छक्के और 9 चौके जड़े। इससे पहले अलिक एथंज़े ने 47 और कैसी कार्ती ने 26 गेंदों में 38 रन बनाए। नेपाल क्रिकेट टीम ने 205 रनों के विशाल लक्ष्य को 2 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। कप्तान रोहित पौडेल ने 54 गेंदों में 112 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 चौके और 6 छक्के जड़े, उनके बाद नेपाल के लिए सबसे ज्यादा 24 रन दीपेंद्र सिंह ने बनाए। रोहित पौडेल को उनकी मैच जिताऊ पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

उबेर कप : अश्मिता चालिहा ने किया उलटफेर

भारतीय महिलाओं ने कनाडा को 4-1 से हराया

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। अश्मिता चालिहा ने अपने से ऊंची रैंकिंग की खिलाड़ी मिशेल लि को हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय महिला टीम ने शनिवार को यहां उबेर कप टूर्नामेंट में कनाडा पर 4-1 से जीत से सकारात्मक शुरुआत की। रैंकिंग में 53वें स्थान पर काबिज चालिहा ने मानसिक मजबूती और जज्बे का शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी लि को शुरुआती एकल मुकाबले में 42 मिनट में 26-24 24-22 से मात दी।

लि 2014 और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक विजेता हैं। फरवरी में पहली बार एशिया टीम चैम्पियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही चालिहा ने पीवी सिंधू सहित शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी अच्छी तरह निभायी। पिछले दिसंबर में सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का खिताब जीतने वाली प्रिया कोन्जेंगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा महिला युगल जोड़ी ने कैथरीन चोई और जेसलिन चाउ को 21-12, 21-10 से हराकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया।

इशारानी बरुआ ने वेन यू झांग को 21-13, 21-12 से हराकर भारत को 3-0 की अजेय बढ़त दिलाने में मदद की। दूसरे महिला युगल में सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर को कनाडा की जैकी डेंट और क्रिस्टल से 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। इससे बाद राष्ट्रीय चैम्पियन अनमोल खरब ने पांचवें और अंतिम मैच में एलियाना झांग को 21-15, 21-11 से हराकर आसान जीत हासिल की।

'चुनाव आयोग का रवैया भाजपा के पक्ष में रहता है'

विपक्ष के, कांग्रेस, सी.पी.आई. व सी.पी.एम. ने प्र.मंत्री मोदी द्वारा आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में कहा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। चुनाव आयोग पर विपक्ष का यह आरोप है कि वह ''पक्षपाती'' है पूरी तरह से गलत नहीं लगता है। वर्ष 2019 से अब तक विपक्षी पार्टियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने के खिलाफ कम से कम 27 शिकायतें दर्ज करवाई है। अब तक इनमें से एक पर भी चुनाव आयोग द्वारा ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। इसके विपरीत चुनाव आयोग के बारे में ऐसा प्रतीत होता है। वह विपक्षी नेताओं को आगे बढ़कर तेजी से नोटिस जारी कर रहा है। 21 अप्रेल को चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को नोटिस दिया था जिसमें उनसे कहा गया था कि वे उनकी पार्टी के नये गाने से ''जय भवानी'' व ''हिन्दू'' शब्द हटा दें।

पिछले साल नवम्बर में चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इस बात के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए उनके लिए ''पनौती'' जेब काटने वाला और मित्रों का ऋण माफ करने वाला जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। आप पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल को इस बात के लिए नोटिस जारी किया था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री का ''अपमान'' किया था।

वर्ष 2019 में, ई.सी. ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू पर 72 घंटे तक प्रचार करने पर प्रतिबंध इसलिए लगा दिया था क्योंकि उन्होंने बिहार की एक सभा में मुस्लिमों को सचेत करते हुए कहा था कि ''वे लोग जनता के बीच में ए.आई.एम.आई.एम. के अध्यक्ष असद्दुदीन ओवैसी जैसे नेताओं को लाकर आपको आपस में विभाजित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग में 27 शिकायतों के मामले दर्ज करवाए थे उसमें से 12 मामले साम्प्रदायिकतापूर्ण भाषण देने के थे, 8 मामलों में सशस्त्र बलों से कहा गया था कि वे वोट डालने के लिए कहें, एक मामला राजनीतिक विज्ञापन में सरकारी योजनाओं की सूचना के प्रयोग का था। इसके साथ ही एक शिकायती मामला धर्म के आधार पर वोट मांगने का, एक मामला सरकार के मंत्रालयों से चुनाव प्रचार के लिए भाषण तैयार कराने का, एक चुनाव प्रचार में अवयस्क बच्चों के उपयोग एवं एक ''प्रचार बंद काल'' के उल्लंघन का था जिसमें चुनाव से पूर्व चुनाव निषेध होता है।

प्रधानमंत्री के नाम का उल्लेख किए बगैर, चुनाव आयोग ने सिर्फ एक शिकायत पर कार्यवाही करते हुए भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को इस बात के लिए एक नोटिस दिया जो उनके ''स्टार चुनाव प्रचारक'' के भाषण से संबंधित था, ''जो कि आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित हो सकता है।''

कांग्रेस, सी.पी.एम., सी.पी.आई., एम.एल. की शिकायतों के आधार पर नोटिस दिया गया था। इन दलों ने आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में आयोजित जनसभाओं में ''साम्प्रदायिकतापूर्ण भाषण'' दिया था, अपने भाषण में मोदी ने कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन का सत्ता में लाने के लिए वोट दिया तो कांग्रेस भारतीय नागरिकों की सम्पत्ति को ''घुसपैठियों'' में बांट देगी।

- **इन नेताओं के अनुसार, प्र.मंत्री के खिलाफ विपक्ष द्वारा 27 शिकायतें की गई हैं, ''मॉडल कोड ऑफ कन्डक्ट'' का उल्लंघन करने के मामलों में।**
- **पर, चुनाव आयोग ने केवल एक शिकायत पर कार्यवाही का नोटिस दिया है, वह भी पार्टी अध्यक्ष नड्डा को संबोधित करके।**
- **जबकि उद्धव ठाकरे, राहुल गांधी तथा केजरीवाल को तुरन्त सीधा नोटिस थमा दिया था तथा नवजोत सिंह सिद्धू पर तो 72 घंटे तक प्रचार न करने की पाबंदी लगायी थी।**

जानेमाने वकील उज्जवल निकम को भाजपा ने मुंबई से टिकट दिया

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता)। भाजपा ने मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से इस बार जाने माने वकील उज्ज्वल निकम को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने लोकसभा उम्मीदवारों की 15वीं सूची घोषित की जिसमें मुंबई उत्तर मध्य सीट से मौजूदा सांसद पूनम महाजन की जगह निकम को उम्मीदवार घोषित किया है। निकम ने वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में पकड़े गये पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को फांसी दिलवाने में बतौर सरकारी वकील अहम भूमिका निभायी थी। उन्होंने 1993 के बम धमाकों, गुलशन कुमार हत्याकांड जैसे हाई प्रोफाइल मामलों में भी सरकारी पक्ष की सफलता पूर्वक पैरवी की थी।

- **निकम ने वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में पकड़े गये पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को फांसी दिलवाने में बतौर सरकारी वकील अहम् भूमिका निभायी थी। इसके अलावा वे गुलशन कुमार हत्याकांड जैसे कई हाई प्रोफाइल केस लड़ चुके हैं।**

एन.सी.बी. ने राजस्थान में 300 करोड़ रुपये की नशीली दवा जब्त की

नारकॉटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गुप्त तरीके से चल रही तीन दवा प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गुजरात पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते के साथ मिलकर गुजरात और राजस्थान में नशीली दवा बनाने वाली तीन अत्याधुनिक गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ कर 300 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की दवा जब्त की हैं।

ब्यूरो ने शनिवार को जारी विज्ञिप्त में बताया कि इस संयुक्त कार्रवाई में मुख्य रूप से मेफेड्रोन नाम की नशीली दवा बनाने वाली तीन गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया गया है । ब्यूरो ने कहा है कि अभी चौथी प्रयोगशाला पर छापेमारी जारी है। रात भर कई राज्यों में चले ऑपरेशन में 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन जब्त किया गया। इस अभियान में सात व्यक्ति गिरफ्तार किये गये हैं और सरगना की पहचान कर ली गयी है। अब जांच एजेन्सी इन दवाओं के वितरण से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।

आतंकवाद रोधी दस्ते को गुजरात और राजस्थान से संचालित इन गुप्त प्रयोगशालाओं के बारे में जानकारी मिली थी। तीन महीने से अधिक समय तक चले ऑपरेशन में इस नेटवर्क में शामिल व्यक्तियों के साथ-साथ गुप्त प्रयोगशालाओं की पहचान के लिए गहन तकनीकी और जमीनी निगरानी की गई।

संयुक्त टीमों ने तीन संदिग्ध स्थानों राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल, जोधपुर जिले के ओसियां और गुजरात के गांधीनगर जिले में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान कुल 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन की बरामदगी की गयी। गांधीनगर में पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर अमरेली (गुजरात) में एक और जगह की पहचान की गई है, जहां छापेमारी जारी है।

ब्यूरो ने कहा है कि इस नेटवर्क के सरगना की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इन दवाओं के वितरण नेटवर्क, राष्ट्रीय और साथ ही किसी भी अंतर्राष्ट्रीय लिंकेज को ट्रैक करने और पहचानने का प्रयास भी किया जा रहा है।

मेफेड्रोन, जिसे 4-मिथाइलमेथकैथिनोन, 4-एमएमसी और 4-मिथाइलफेड्रोन के नाम से भी जाना जाता है, एम्फ़ैटेमिन और कैथिनोन वर्गों की एक सिंथेटिक उत्तेजक दवा है। इसे ड्रोन, एम-कैट, व्हाइट मैजिक, 'म्याऊ म्याऊ' और बबल के नाम से भी जाना जाता है।

- **एन.सी.बी. ने तीन संदिग्ध स्थानों, राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल, जोधपुर जिले के ओसियां और गुजरात के गांधीनगर जिले में एक साथ छापेमारी की।**
- **छापेमारी के दौरान कुल 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन की बरामदगी की गयी। गांधीनगर में पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर अमरेली (गुजरात) में एक और जगह की पहचान की गई है, जहां छापेमारी जारी है।**

एक बार फिर ममता बनर्जी चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ रंगे हाथों न पकड़ा जा सके। रेड और हथियारों के जखीरे की बरामदगी पर तृणमूल कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि पार्टी ने चुनाव आयुक्त को लिखा है कि केन्द्रीय एजेंसिया जानबूझकर चुनावी दौर में इस तरह की रेड डाल रही हैं।

पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि हथियार उस स्थान पर स्वयं जांच एजेंसियों ने ही रखे थे ताकि मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके और तृणमूल पार्टी की छवि खराब की जा सके।

पार्टी ने इस बात की शिकायत की है यहां तक कि, केन्द्रीय जांच एजेंसी ने अपने इस अभियान में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एन.एस.सी.) के बम निरोधक दस्ते को भी बुला लिया, जबकि राज्य सरकार पास भी बमों को निष्क्रिय करने वाला विशेषज्ञों का दस्ता है।

तृणमूल कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने कार्यवाही से पूर्व ही मीडिया को सूचित कर दिया था ताकि राज्य सरकार को इनकी कार्यवाहियों का पता चलने से पहले ही राष्ट्रीय मीडिया में खबरें चलनी शुरू हो जाएं।

इस सप्ताह के प्रारंभ में कलकत्ता हाई कोर्ट ने रोजगार के बदले रिश्वत से संबंधित मामले में राज्य सरकार के आचरण की जांच करने के लिए जांच का आदेश दिया था। साफ है कि राज्य सरकार ने स्कूलों ने नियुक्तियों से संबंधित घोटाले के सबूतों को छिपाने के लिए जानबूझकर आवश्यकता से अधिक पद सृजित किए थे।

इस बीच, जिस हैलीकॉप्टर से ममता बनर्जी यात्रा कर रही थी उसमें वे अचानक गिर गई। ऐसा लगता है जैसे वे चुनाव से पहले वह हमेशा घायल हो जाती हैं। यह उनके लिए एक अच्छा शगुन है चोट लगना-एक चुनाव के दौरान। परन्तु ऐसी घटनाएं उनके साथ अनेकों बार हुई है और यह भी।

- **तृणमूल कांग्रेस ने पलटवार किया एन.आई.ए. की टीम के खिलाफ और कहा कि, यह जखीरा टीम द्वारा ही मकान पर रखा गया था तृणमूल को बदनाम करने के लिये।**
- **तृणमूल ने इस बारे में चुनाव आयोग को शिकायत भी की है।**

चीन पर लगा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप का आरोप

वॉशिंगटन, 7 अप्रेल। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चीन दखल देने की कोशिश कर रहा है? इसे लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यूएस ने चीन की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने और हस्तक्षेप करने के प्रयास के सबूत देखे हैं। मालूम हो कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव इसी साल नवंबर में होना है। इसमें मौजूदा राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फिर से मुकाबला हो सकता है। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन ने ट्रंप को हरा दिया था।

जर्मनी ने भारत को हथियार एक्सपोर्ट करने पर प्रतिबंध हटाया

लंदन, 27 दिसम्बर। जर्मनी ने भारत के लिए हथियारों की बिक्री से प्रतिबंध हटा लिया है। जर्मनी ने कहा है कि वह भारत को अपवाद के तौर पर मानते हुए छोटे हथियारों की बिक्री पर से प्रतिबंध हटा रहा है। यूरोपीय देश का ये कदम भारत के साथ उसके बढ़ते रणनीतिक और सैन्य संबंधों को दर्शाता है। इससे पहले जर्मनी का अपना एक नियम था। उसने गैर-नाटो देशों को छोटे हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया था। द इंडियन एक्सप्रेस ने घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के हवाले से लिखा है कि जर्मनी से छूट मिलने के बाद भारत अब अपनी सेना और राज्य पुलिस बलों के लिए छोटे हथियारों को खरीद सकता है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, जर्मनी ने इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) को उसकी एमपी5 सबमशीन गन के लिए स्पेयर पार्ट्स और अन्य उपकरण खरीदने की अनुमति दी है।

बता दें कि हेकलर एंड कोच एमपी5 एक सबमशीन गन है जिसे 1960 के दशक में जर्मन हथियार निर्माता हेकलर एंड कोच द्वारा बनाया गया था। खास बात ये है कि यही सबमशीन गन वर्तमान में और भारतीय नौसेना के समुद्री कमांडो द्वारा इस्तेमाल की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी ने अपने निर्यात लाइसेंसिंग नियमों में भी काफी ढील दी है। इसके चलते पिछले महीने कई भारतीय ऑर्डर को मंजूरी दी गई है। इससे पहले भी, छोटे हथियारों को छोड़कर, 95 प्रतिशत भारतीय खरीद सौदों को मंजूरी दे दी जाती थी, लेकिन प्रक्रिया में समय लगता था, जिससे जर्मनी को इस प्रक्रिया को आसान बनाना पड़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और जर्मनी के बीच रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय वायु सेना अपने एएन-32 को रिप्लेस करने के लिए 18 से 30 टन की वहन क्षमता वाले मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) की तलाश कर रही है, जिसमें जर्मनी सहित कई वैश्विक निर्माता रुचि ले रहे हैं। इसके अलावा, इसी साल अक्टूबर के अंत में, जर्मनी से दो जहाज (संभवत: एक फ्रिगेट और एक टैंकर) एक बड़ी तैनाती के हिस्से के रूप में भारत का दौरा करेंगे।

- **जर्मनी ने शुरु से ही सभी गैर नाटो देशों को हथियारों की बिक्री को प्रतिबंधित कर रखा था लेकिन भारत को एक ''एक्सैप्शन'' के तौर पर रखकर इस प्रतिबंध से छूट दे दी गई है।**

जालोर-सिरोही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारम्परिक मतदाता हैं। इसलिए 62.89 प्रतिशत मतदान होना भाजपा प्रत्याशी के लिए राहत भरी खबर है।

जालोर -सिरोही में चौधरी, देवासी, एस.सी. - एस.टी., ओ.बी.सी. जाति के वोटर अधिक हैं, जिनमें चौधरी, देवासी व ओबीसी भाजपा के वोटर हैं। पूर्व सीएम ने यहाँ प्रचार तो खूब किया, लेकिन वे अपने पुत्र के पक्ष में मतदाताओं को रिझा नहीं पाये। यहाँ तक कहा जा रहा है कि, वे अपनी जाति के वोटरों को भी एक नहीं कर पाये। इस बार चौधरी समाज ने एकजुट होकर अपने भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी के पक्ष में जमकर मतदान किया।

इस बार आहोर में 57.01 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 61.24 प्रतिशत मतदान हुआ था। भीनमाल में 62.38 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि विधानसभा चुनाव में 65.34 प्रतिशत, रानीवाडा में 63.95 प्रतिशत, विधानसभा चुनाव में 77.89 प्रतिशत हुआ था। सांचोर में इस बार 66.14 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 80.91 प्रतिशत हुआ था। सिरोही में 58.10 प्रतिशत मतदान हुआ, और विधानसभा चुनाव में 66.01 प्रतिशत हुआ था। आबू पिण्डवाडा में 67.22 प्रतिशत मतदान, जबकि विधानसभा चुनाव में 70.06 प्रतिशत मतदान हुआ था। रेवदर में 65.84 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। जालोर में इस बार 63.19 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 62.72 मतदान हुआ था। विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में स्थानीय नेताओं ने भी रूचि नहीं दिखाई।

62.89 प्रतिशत मतदान भाजपा प्रत्याशी को जीत दिला सकता है। भाजपा के कार्यकर्ता व आर.एस.एस. के कार्यकर्ताओं ने अंतिम समय में मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पूर्व सीएम ने चौधरी बहुल इस सीट पर अपने पुत्र वैभव की नैया पार करने के लिए पूरा जोर लगाया है। ऐसे कयास भी लगाये जा रहे हैं कि यदि वैभव के पक्ष में प्रचार करने सचिन पायलट आते तो वैभव को नुकसान की बजाय फायदा ही मिलता और कांग्रेस के पक्ष में मत प्रतिशत भी बढ़ता। लेकिन अशोक गहलोत ने अपने स्वाभिमान के खातिर सचिन को जालोर- सिरोही में प्रचार के लिए बुलाना मुनासिब नहीं समझा।

जालोर- सिरोही लोकसभा सीट भाजपा का गढ़ रहा है। वर्ष 2019 के चुनाव में मतदान 65.74 प्रतिशत था जिसमें भाजपा के देवजी पटेल को 56.76 प्रतिशत और कांग्रेस के रतन देवासी को 37.58 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। कहा जा रहा है कि, देवासी समाज बहुल होने के बाद भी रतन देवासी जीत नहीं पाये, तो पूर्व मु.मंत्री के पुत्र का इस सीट पर जीतना आसान नहीं है। इसलिए गहलोत चिंतित नजर आ रहे हैं।

- **अशोक गहलोत भारी धन राशि खर्च करके भी वैभव के पक्ष में जाति समीकरणों को नहीं साध पाए। अन्य जातियां तो दूर, वे अपनी ही जाति के वोट बैंक को एकजुट नहीं कर पाए।**

भूखंड का कब्जा नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवंटित किया। उसने 25 हजार रुपए जमा करा दिए और 22 मार्च को उसे आवंटन पत्र भी जारी हो गया। उसने 4 अप्रैल, 2013 को 9,36,700 रुपए जमा करा दिए, लेकिन जे.डी.ए. ने कानूनी विवाद के चलते यह भूखंड निरस्त कर 2019 में उसे मौजूदा भूखंड से 25 वर्गमीटर कम क्षेत्रफल का नया भूखंड आवंटित किया, लेकिन इस भूखंड का भी कब्जा नहीं दिया। परिवादी ने इस मामले को उपभोक्ता अदालत में चुनौती देते हुए जे.डी.ए. से जमा राशि हर्जा-खर्चा सहित दिलाने का आग्रह किया। जे.डी.ए ने जवाब में कहा कि, आवासीय योजना में कानूनी विवाद आ गया था और उसका उन पर कोई नियंत्रण नहीं है। अब अमृत कुंज द्वितीय योजना में परिवादी को आवंटन की तैयारी कर रहे हैं। आयोग ने दोनों पक्षों को सुनकर परिवादी के पक्ष में फैसला देकर जे.डी.ए. पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए उसे जमा राशि ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है।

'कुछ निहित राजनीतिक स्वार्थ वाले एन.जी.ओ भारत की प्रगति में रोड़ा बन रहे हैं'

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। ईवीएम और वीवीपैट को लेकर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें सर्वोच्च अदालत ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में विश्वास जताया। कोर्ट ने शुक्रवार हर वोट के वेरिफिकेशन की मांग को लेकर दायर अर्जियों को खारिज कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) पर गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि निहित स्वार्थी समूह ने ईवीएम को बदनाम करने और चुनावी प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव डालने का प्रयास किया है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता ने ईवीएम-वीवीपैट पर फैसले के दौरान कहा कि हाल के वर्षों में कुछ निहित स्वार्थी समूह की ओर से एक प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही, जो राष्ट्र की उपलब्धियों को कम करने की कोशिश कर रही। ऐसा लगता है कि हर संभव मोर्चे पर इस महान राष्ट्र की प्रगति को बदनाम करने, कम करने और कमजोर करने का एक ठोस प्रयास किया जा रहा है। इस तरह के किसी भी प्रयास को शुरुआत में ही खत्म कर दिया जाना चाहिए। कोई भी संवैधानिक अदालत तो बिल्कुल भी इस तरह के प्रयास को तब तक सफल नहीं होने देगी, जब तक कि मामले में उसकी बात मानी जाती है। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद एडीआर चर्चा में आ गया। आइये जानते हैं क्या है एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स भारत में एक गैर-लाभकारी संगठन है। ये ऐसा समूह है जो चुनाव सुधारों पर ध्यान केंद्रित करता है। भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के प्रोफेसरों के एक ग्रुप ने 1999 में इसकी स्थापना की थी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, भारत की राजनीतिक और चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही की वकालत करने में अहम रोल निभाता रहा है। पिछले दो दशकों के दौरान कोर्ट में एडीआर के हस्तक्षेप से कई महत्वपूर्ण चुनावी सुधार हुए हैं।

- **सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी आंकड़े जारी करने वाले एन.जी.ओ. एसोसिएशन फॉर डैमोक्रैटिक रिफॉर्म पर गंभीर सवाल उठाये**
- **जस्टिस दीपांकर दत्ता ने ई.वी.एम.-वी.वी-पैट पर फैसले के दौरान कहा कि, हाल के वर्षों में कुछ निहित स्वार्थी समूहों की ओर से एक प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही है, जो राष्ट्र की उपलब्धियों को कम करने की कोशिश कर रही है।**

सिख समाज की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरुण चुघ, पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा और दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा भी उपस्थित थे। लोकसभा चुनावों के पहले इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सिख समाज के लगभग एक हजार प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने एक साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अटूट विश्वास करते हुए भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इन लोगों में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्य भूपेन्द्र सिंह गिन्नी, रमनदीप सिंह थापर, परविंदर सिंह लक्की, मंजीत सिंह औलख, रमनज्योत सिंह, जैस्मीन सिंह नौनी और हरजीत सिंह पप्पा भी इस अवसर पर भाजपा परिवार में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होने वाले सभी सदस्यों को सदस्यता की पर्ची देकर और पट्टिका पहना कर भाजपा परिवार में शामिल किया गया। सभी ने एक स्वर में देश की विकास यात्रा में योगदान देने का अपना संकल्प दोहराया।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सिख समुदाय के प्रति सदैव विशेष लगाव रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के जन कल्याणकारी और विकास कार्यों से प्रभावित हो कर हर वर्ग और हर समुदाय के लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों समेत सभी लोग प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान देना चाहते हैं।

केन्द्रीय सरकार में प्रमुख भूमिका मिलेगी शिवराज सिंह चौहान को?

प्रधानमंत्री मोदी ने एक रैली के दौरान कहा था कि, वे शिवराज सिंह चौहान को दिल्ली, ले जाना चाहते हैं, प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद कयासों का बाजार गर्म है

भोपाल, 27 अप्रेल। मध्य प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले और भाजपा के कद्दावर नेता शिवराज सिंह चौहान की राष्ट्रीय राजनीति में शानदार एंट्री होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही इसका हिंट दिया है। एक रैली के दौरान उन्होंने कहा था कि वह शिवराज सिंह चौहान को दिल्ली यानी कि केंद्र में ले जाना चाहते हैं। प्रधानमं के इस बयान के बाद कयासों का बाजार गर्म है।

आपको बता दें कि, शिवराज सिंह चौहान विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस शहर को उनका गढ़ माना जाता है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रताप भानु शर्मा से है। 1980 और 1984 में आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी की जीत और बाद में उनकी मृत्यु के कारण पैदा हुई सहानुभूति लहर के दम पर यह सीट जीती थी। 1967 में अस्तित्व में आने के बाद ये केवल दो मौके थे जब कांग्रेस ने यह सीट जीती।

24 अप्रैल को मध्य प्रदेश के हरदा में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने शिवराज सिंह चौहान की प्रशंसा करते हुए कहा कि पार्टी संगठन में हो या फिर मुख्यमंत्री रहते हुए, हमने साथ-साथ काम किया है। पीएम मोदी ने रैली में कहा, ''जब शिवराज संसद गए थे, तब मैं पार्टी महासचिव के रूप में साथ काम कर रहा था। अब मैं उन्हें एक बार फिर अपने साथ दिल्ली ले जाना चाहता हूं।''

आपको बता दें कि पिछले साल संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश में शानदार जीत दर्ज की थी। इसमें शिवराज सिंह चौहान का भी अहम योगदान था। हालांकि, उन्हें इस चुनाव में सीएम उम्मीदवार नहीं घोषित किया गया था। भगवा पार्टी ने चौंकाते हुए मोहन यादव को उनके उत्तराधिकारी के रूप में चुना।

शिवराज सिंह चौहान अपना छठा लोकसभा चुनाव विदिशा से लड़ रहे हैं। इस सीट का प्रतिनिधित्व दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी (1991) और सुषमा स्वराज (1991, 2009 और 2014) जैसे भाजपा के दिग्गज नेता कर चुके हैं। रामनाथ गोयनका 1971 में इस सीट से सांसद चुने गए थे।

अपने नाम की घोषणा के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह सीट उन्हें वाजपेयी ने सौंपी थी और यह खुशी की बात है कि उन्हें 20 साल बाद फिर से इसका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल रहा है। चौहान ने कहा था, भाजपा मेरी मां है, जिसने मुझे सब कुछ दिया है।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक पर्यवेक्षक रशीद किदवई ने बताया कि भाजपा को अपने वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दबाव में शिवराज सिंह चौहान को इस सीट से मैदान में उतारने के लिए मजबूर होना पड़ा। किदवई ने कहा, ''यह एक खुला रहस्य है कि शिवराज की लोकप्रियता को जांचने की मांग की गई थी, लेकिन आरएसएस और महिला मतदाताओं के दबाव में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री को मैदान में उतारने का फैसला किया।''

उन्होने कहा, ''वह भारी अंतर से जीतने के लिए तैयार हैं। यदि वह राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़े अंतर से जीतते हैं तो इसकी खूब चर्चा होगी। इस सीट की तुलना वाराणसी, गांधीनगर, लखनऊ और अन्य सीटों पर हार-जीत के अंतर से की जाएगी।किदवई ने कहा कि हालांकि यह देखना बाकी है कि शिवराज पीएम मोदी और अमित शाह की व्यवस्था में कैसे फिट बैठते हैं।

आपको बता दें कि विदिशा लोकसभा सीट के आठ विधानसभा सीटों में से सात पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। 2009 के लोकसभा चुनाव में सुषमा स्वराज करीब 3.90 लाख वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की थी।

- **गौरतलब है कि, शिवराज सिंह चौहान विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस शहर को उनका गढ़ माना जाता है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रताप भानु शर्मा से है।**

मणिपुर में उग्रवादी हमले में सी.आर.पी.एफ के दो जवान शहीद

इंफाल, 27 अप्रैल (वार्ता) मणिपुर के नारानसेना इलाके में शनिवार को संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के हमले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान शहीद हो गए और चार अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरंग पुलिस थाना क्षेत्र में नारायणसेना के एक गांव में कथित तौर पर सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलीबारी करते हुए आधी रात को हमला किया।

कुकी आतंकवादियों ने नारायणसेना में सीआरपीएफ के बी/128 बीएन शिविर की ओर बम फेंके और गोलीबारी की।

विस्फोट में इंस्पेक्टर जादव दास, एसआई एन सरकार, एचसी अरूप सैनी और सीटी आफताब हुसैन सहित चार कर्मी घायल हो गए, जबकि एसआई/जीडी एन साकार और एचसी/जीडी अरूप सैनी की मौत हो गई। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

- **कुकी उग्रवादियों ने सी.आर.पी.एफ के जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की।**

अजमेर में भाजपा के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर हुए उपचुनाव में सचिन पायलट की पैरवी के बाद कांग्रेस नेता डॉ. रघु शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया था। इस उपचुनाव में सचिन पायलट ने जी जान से रघु शर्मा के लिए मेहनत की और उसी का नतीजा था कि, मोदी लहर होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. रघु शर्मा विजयी हुए थे। अजमेर लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक मतदान शहरी क्षेत्र में हुआ है। अजमेर शहर में कांग्रेस कार्यकर्ता भी दो फाड़ में बंटे हुए नज़र आते हैं एक ओर निवर्तमान शहर अध्यक्ष विजय जैन, हेमन्त भाटी, प्रताप यादव, महेन्द्र सिंह रलावता पायलट के खेमें में माने जाते हैं वहीं, पूर्व आर.टी.डी.सी. चैयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़, गोपाल बाहेती, द्रोपदी कोली, नौरत गुर्जर आदि ने गहलोत का दामन थामा हुआ है। आम मतदाताओं की बात की जाए तो शहरी मतदाताओं में स्थानीय मुद्दे गौण होते हुए नज़र आए और लोगों ने राम मंदिर व राष्ट्रवाद के मुद्दे पर मतदान किया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हि